हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 195 बेमेतरा, सोमवार 09 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

महिला ने एक ही मंडप पर 2 युवकों संग रचाई शादी, कुछ ऐसे शुरू हुई थी प्रेम कहानी

नई दिल्ली। शादियों के इस मौसम में आपने कई विवाह समारोह देखे होंगे, जहां एक दूल्हा और एक दुल्हन सात फेरे लेते हैं। लेकिन हाल ही में एक ऐसी शादी सामने आई है जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। इस अनोखे विवाह में एक दुल्हन ने एक ही मंडप में दो-दो दूल्हों से शादी कर ली। यही वजह है कि यह शादी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बनी हुई है। मामला थाईलैंड का है, जहां 37 वर्षीय डुआंगडुआन केत्सारो नामक महिला ने एक समारोह में दो ऑस्ट्रियाई पुरुषों से विवाह किया। डुआंगडुआन पेशे से सिंगर और सॉन्गराइटर रह चुकी हैं। शादी का समारोह सादा और पारंपरिक तरीके से आयोजित किया गया, जिसमें उनके करीबी रिश्तेदार और दोस्त शामिल हुए। समारोह की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार डुआंगडुआन की मुलाकात सबसे पहले ऑस्ट्रिया के रिटायर्ड पुलिस अधिकारी रोमन से पटाया में हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और वे करीब पांच साल तक साथ रहे।

जिंदगी से जिंदगी ही है निजात, बिग बी ने बयां किया रात के सन्नाटे का सुकुन

मुंबई। अभिनेता अमिताभ बच्चन अक्सर अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की लिखी कविताओं को अपने भाव के साथ शब्दों के जरिए ब्लॉग में उतारते रहते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने बाबूजी से प्रेरित अपने मन के भाव ब्लॉग में उतारे हैं। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने रात के सन्नाटे की सुंदरता को खूबसूरती से बयां किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग में मुंबई की रात की खास शांति पर दिलचस्प बात लिखी है। उन्होंने ब्लॉग में लिखा कि मुंबई जैसे व्यस्त शहर में भी रात के समय एक अजीब-सी शांति छा जाती है। दिनभर की भागदौड़ के बाद रात में सड़कें खाली हो जाती हैं और चारों तरफ गहरा सन्नाटा सा छा जाता है। उन्होंने लिखा, मुंबई की यह शांति कई लोगों को डरावनी लगती है लेकिन मेरे लिए इसमें एक अलग तरह की हैरानी और खूबसूरती छिपी हुई है।

नीतीश कुमार पर बोले ओम प्रकाश राजभर, वे खुद मालिक, राज्यसभा जाना उनका सपना

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राज्यसभा उम्मीदवारी पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का सपना है कि वे उच्च सदन में जाकर राजनीति करें। भाजपा गठबंधन ने उन्हें खुलकर न्योता दिया है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा, कोई व्यक्ति प्रधान बन जाता है, जब पांच साल रहता है तो उसको लगता है कि अब हम इससे ऊपर जाएं। वो जिला पंचायत बनने की बात करता है। जो जिला पंचायत बन जाता है वो विधायक बनने की बात सोचता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

महतारी वंदन योजना से मातृशक्ति को मिला आर्थिक संबल

■ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 69 लाख 48 हजार महिलाओं के खातों में 25वीं किश्त के रूप में 641 करोड़ 58 लाख रुपये अंतरित

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बस्तर के लाल बहादुर शास्त्री मिनी स्टेडियम में आयोजित वृहद महतारी वंदन सम्मेलन2026 में प्रदेश की माताओं-बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण ही विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है और राज्य सरकार का हर निर्णय महिलाओं के कल्याण, सम्मान और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखकर लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर महतारी वंदन योजना की 25वीं किश्त जारी करते हुए प्रदेश की 69 लाख 48 हजार महिलाओं के खातों में 641 करोड़ 58 लाख रुपये अंतरित किए। इसके साथ ही इस योजना के अंतर्गत अब तक महिलाओं को 16 हजार 237 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि माताओं-बहनों के आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने वाला जनकल्याणकारी अभियान बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें 10 मार्च 2024 का वह दिन याद है, जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महतारी वंदन योजना का शुभारंभ किया था। उसी समय यह संकल्प लिया गया था कि प्रदेश की प्रत्येक पात्र महिला के खाते में हर महीने निर्धारित तिथि पर एक

हजार रुपये की राशि पहुंचेगी। पिछले 25 महीनों से यह संकल्प लगातार पूरा किया जा रहा है और इस किश्त के साथ अब तक प्रत्येक हितग्राही महिला को 25 हजार रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने जो वादा किया था, उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि महतारी वंदन योजना को निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में 8 हजार 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि यह राशि माताओं-बहनों के जीवन में प्रत्यक्ष बदलाव ला रही है। महिलाएं इस सहायता का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, घरेलू जरूरतों, बचत और स्वरोजगार जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में कर रही हैं। इससे परिवारों में आर्थिक स्थिरता बढ़ रही है और समाज के समग्र विकास को नई दिशा मिल रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की माताएं-बहनें केवल परिवार का संचालन ही नहीं करतीं, बल्कि वे उत्कृष्ट वित्तीय प्रबंधक भी होती हैं। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का महिलाओं ने अत्यंत समझदारी से उपयोग किया है। किसी ने बेटियों के भविष्य के लिए बचत की, किसी ने स्वरोजगार शुरू किया, किसी ने परिवार के छोटे व्यवसाय को बढ़ाया, तो किसी ने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर घर की स्थिति को मजबूत बनाया। यह इस योजना की सबसे बड़ी सफलता है कि महिलाओं ने इसे स्वयं और परिवार की उन्नति का माध्यम बनाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प तथा सुरक्षा बलों के अदम्य साहस से नक्सलवाद अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों और आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए राज्य सरकार ने 15 हजार आवास स्वीकृत किए हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर सहित दूरस्थ अंचलों में शांति, विकास और विश्वास का नया वातावरण बन रहा है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

केरल में ली अंतिम सांस

युद्ध के नायक केजी जॉर्ज का 95 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के वीर चक्र विजेता लांस हवलदार (सेवानिवृत्त) के.जी. जॉर्ज का केरल में 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। परिवार के अनुसार उनका निधन शनिवार सुबह उनके घर पर हुआ। वे केरल के कोट्टायम में रहते थे और उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण उनका देहांत हुआ। उनका जन्म फरवरी 1931 में हुआ था और उन्होंने 1965 के युद्ध में भारतीय सेना के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लांस हवलदार के.जी. जॉर्ज भारतीय सेना की कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स इकाई में तैनात थे। यह सेना की वह इकाई है जो युद्ध के दौरान संचार व्यवस्था को बनाए रखने का काम करती है। 1965 के युद्ध में जॉर्ज ने बेहद बहादुरी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में महिला विचारकों के राष्ट्रीय सम्मेलन, भारती-नारी से नारायणी तक को संबोधित किया।

सांसद राहुल गांधी पर बरसे

मंत्री गड़करी बोले-कट्टर देशभक्त थे सावरकर....

नई दिल्ली। नागपुर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि विनायक दामोदर सावरकर वैज्ञानिक वैचारिक दृष्टिकोण वाले एक कट्टर देशभक्त थे और हिंदुत्व पर उनकी व्याख्या आज भी प्रासंगिक एवं उपयोगी है। कांग्रेस के नेता एवं सांसद राहुल गांधी का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि उन्होंने एक बार सावरकर की आलोचना करने वाले एक बड़े नेता से कहा था कि अगर सावरकर महान नहीं हैं, तो देश में कोई भी महान नहीं है। शनिवार को स्वातंत्र्य वीर सावरकर स्मारक समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि सावरकर सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। इस कार्यक्रम में पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को सम्मानित किया गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने कहा, वह न केवल एक कट्टर देशभक्त थे ।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति का अपमान हुआ

यह संविधान और लोकतंत्र का अपमान- देश माफ नहीं करेगा

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में आयोजित एक कार्यक्रम को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सम्मान के साथ समझौता किया गया और यह न केवल राष्ट्रपति बल्कि देश के संविधान का भी अपमान है। यह लोकतंत्र की महान परंपरा का भी अपमान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संथाल समुदाय के एक बड़े सांस्कृतिक उत्सव में शामिल होने के लिए पश्चिम बंगाल गई थीं। लेकिन इस महत्वपूर्ण और पवित्र कार्यक्रम में उन्हें उचित सम्मान देने के बजाय टीएमसी ने उसका बहिष्कार किया। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति स्वयं आदिवासी समाज से आती हैं और वह हमेशा आदिवासी समुदाय के विकास और कल्याण को लेकर चिंतित रही हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार की ओर से कार्यक्रम के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई गई। प्रधानमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार ने इस आयोजन को पूरी तरह अव्यवस्था के हवाले कर दिया। उनका कहना था कि यह घटना केवल राष्ट्रपति का अपमान नहीं है, बल्कि यह भारत के संविधान और उसकी मूल भावना का भी अनादर है। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र की महान परंपरा में राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च सम्मान का प्रतीक होता है। ऐसे में किसी भी राजनीतिक मतभेद से ऊपर उठकर इस पद की गरिमा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार पर सत्ता के अहंकार में डूबे होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करती हैं।

चलती ट्रेन के नीचे जा रहा था यात्री, फरिश्ता बनकर आरपीएफ जवान ने बचाई जान

बेगूसराय। मौत कब, कहां और कैसे आ जाए, कोई नहीं जानता। बिहार के बेगूसराय रेलवे स्टेशन से एक ऐसा ही रोंगटे खड़े कर देने वाला खौफनाक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसे देखकर किसी के भी होश उड़ जाएंगे। स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर चंद सेकंड की जल्दबाजी एक यात्री की जान पर भारी पड़ गई। चलती ट्रेन में दौड़कर चढ़ने की कोशिश में यात्री का पैर फिसल गया और वह सीधे मौत के मुंह यानी ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच की जानलेवा खाई में गिरने ही वाला था। लेकिन ऐन वक्त पर वहां मुस्तैद एक रेलवे सुरक्षा बल का जवान साक्षात फरिश्ता बनकर झपटा और महज कुछ सेकंड के फासले से उस यात्री को मौत के जबड़े से खींच लिया।

जेडयू ज्वाइन करते ही फार्म में आए निशांत

मैं सक्रिय सदस्य के तौर पर पार्टी का पूरा खयाल रखूंगा-निशांत....

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार के मुखिया नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने रविवार को जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण कर ली है। पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा ने निशांत को सदस्यता दिलाई। इस दौरान निशांत कुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित भी किया है। निशांत कुमार ने कहा कि मैं एक सक्रिय सदस्य के तौर पार्टी का पूरा खयाल रखने का प्रयास करूंगा। पिताजी ने राज्यसभा जाने का फैसला किया है और मैं उसका आदर करता हूं। पार्टी और जनता ने मुझ पर जो विश्वास किया है मैं उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। पिताजी ने 20 साल में किया जो कुछ किया है, उसे मैं जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश करूंगा। निशांत कुमार ने सभी से अनुरोध किया कि वे नीतीश कुमार पर अपना विश्वास बनाए रखें। मैं पार्टी को और मजबूत करने की कोशिश करूंगा। मैं लोगों के दिलों में जगह बनाने की कोशिश करूंगा। मैं मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में काम करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि वह एक एक्टिव सदस्य के तौर पर पार्टी की देखभाल करने की कोशिश करेंगे। निशांत कुमार ने कहा कि उनके पिता ने जो कुछ भी किया है, उस पर पूरे देश और बिहार को गर्व है। इससे पहले सदस्यता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि इस ऐतिहासिक मौके पर महापुरुष और हमारे नेता नीतीश कुमार के बेटे इंजीनियर निशांत कुमार जेडीयू में शामिल हो रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति का अनोखा संदेश

देश की महिलाओं में दम,हम नहीं हैं किसी से कम-राष्ट्रपति द्रौपदी

नई दिल्ली/ संवाददाता

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं की शक्ति, उपलब्धियों और योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं और अगर उन्हें सही अवसर और समर्थन मिले तो वे हर क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं। रविवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफसे आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सिर्फ महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने का दिन नहीं है, बल्कि यह उनके सशक्तिकरण के लिए देश की प्रतिबद्धता को दोहराने का भी अवसर है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, सशस्त्र बल, चिकित्सा, विज्ञान, तकनीक, कला, खेल और उद्यमिता जैसे कई क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं का जिक्र करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों के जरिए गांवों की महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और गांव के विकास में नेतृत्व भी कर रही हैं। मुर्मू ने आगे कहा कि महिलाओं में दम है, हम किसी से कम नहीं। हम में भी शक्ति है। उनका कहना था कि अगर महिलाओं को अवसर और सहयोग मिले तो वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हालांकि महिलाओं ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन समाज में समान भागीदारी सुनिश्चित करने के रास्ते में अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं। इन चुनौतियों को सिर्फ कानून के जरिए खत्म नहीं किया जा सकता,

बल्कि समाज की सोच में बदलाव लाना भी जरूरी है। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि घर में बेटियों और बेटों के बीच किसी भी तरह का भेदभाव न करें। साथ ही उन्होंने कहा कि सास को अपनी बेटी और बहू के बीच भी फर्क नहीं करना चाहिए और बहू को भी बेटी की तरह सम्मान मिलना चाहिए। उनके अनुसार असली समानता तब शुरू होती है जब हर महिला को बेटी के रूप में सम्मान दिया जाए। राष्ट्रपति मुर्मु ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित 'शक्ति वॉक' कार्यक्रम की भी सराहना की। इस कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने किया था, जिसमें प्रतिभागियों ने इंडिया गेट से विजय चौक तक पैदल मार्च किया। उन्होंने देशभर से आई महिलाओं के समर्पण और उत्साह की भी प्रशंसा की। राष्ट्रपति ने संविधान निर्माता बीआर आंबेडकर के प्रसिद्ध कथन को याद करते हुए कहा कि किसी समाज की प्रगति का सही मापदंड यह है कि वहां की महिलाओं ने कितनी प्रगति की है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चला रही है। इनमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री उवला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और मिशन शक्ति जैसी योजनाएं शामिल हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आज महिलाएं सिर्फ नौकरी करने वाली नहीं, बल्कि रोजगार देने वाली भी बन रही हैं।

ग्रामीणों महिलाओं के लिए योजना का किया जिक्र

राष्ट्रपति ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों को बेहतर बाजार देने के लिए बजट 2026-27 में शी-मार्ट पहल शुरू की गई है, जिसके तहत हर जिले में समुदाय द्वारा संचालित रिटेल आउटलेट बनाए जाएंगे। अपने संबोधन के अंत में राष्ट्रपति मुर्मु ने लोगों से अपील की कि वे हर बेटी को शिक्षा, सम्मान और अवसर देने का संकल्प लें, महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता दें और समाज से हर तरह के भेदभाव को खत्म करने के लिए मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि ऐसा करके भारत दुनिया के सामने महिला सशक्तिकरण का आदर्श उदाहरण पेश कर सकता है।

गैस महंगाई और नशे के मुद्दे पर कांग्रेस का हमला : देश मोदी नहीं, ट्रंप के इशारे पर चला...

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कार्यालय सारंगढ़ में कांग्रेस नेताओं ने प्रेस वार्ता आयोजित कर केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। प्रेस वार्ता में कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि सूर्यकुमार तिवारी, विधायक उत्तरी गणपत जांगड़े, पूर्व जिलाध्यक्ष अरुण मालाकार, नगर पालिका अध्यक्ष सोनी अजय बंजारे तथा पार्षद सरिता गोपाल सहित कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता उपस्थित रहे। इस दौरान शहर के इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के पत्रकार भी मौजूद रहे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सूर्यकुमार तिवारी ने कहा कि दुर्ग जिले के समोदा गांव में भाजपा से जुड़े एक नेता द्वारा लगभग 9.50 एकड़ जमीन में अफीम की खेती किए जाने का मामला सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की भाजपा सरकार नशे के कारोबार को संरक्षण दे रही है और इससे प्रदेश के युवाओं को नशे की ओर धकेलने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मामले के विरोध में दीपक बैज के निर्देशानुसार 8

मार्च 2026 को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में प्रेस वार्ताएं आयोजित की गई हैं।

कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर महंगाई बढ़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि 7 मार्च 2026 से घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में 60 रुपये और कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि रसोई गैस आम जनता की दैनिक आवश्यकता है, लेकिन सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। कांग्रेस ने बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन और प्रधानमंत्री का पुतला दहन करने की घोषणा भी की।

प्रेस वार्ता में अंतरराष्ट्रीय मुद्दों का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ के दौरान जब भारत जीत की ओर अग्रसर था, उसी समय अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन आने के बाद ऑपरेशन पर रोक लग गई। इसी तरह इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के दौरान पेट्रोल-डीजल की संभावित कमी को लेकर कांग्रेस ने विरोध जताया, जिसके बाद ट्रंप द्वारा एक माह के लिए रूस से तेल खरीदने की अनुमति दिए जाने की बात सामने आई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि देश की नीतियां प्रधानमंत्री के बजाय अमेरिका के दबाव में तय हो रही हैं।

कार्यक्रम में संजय दुबे, उमेश केसरवानी, घनश्याम मनहर, पवन अग्रवाल, राकेश पटेल, राधेश्याम जायसवाल, गोपाल बाघे, रामनाथ सिदार और गोल्डी नायक सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। साथ ही प्रदेश पदाधिकारी, पीसीसी सदस्य, जिला कांग्रेस कमेटी और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, सोशल मीडिया टीम के सदस्य तथा नगर पालिका व जनपद पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि आम जनता के हितों की रक्षा के लिए पार्टी आगे भी संघर्ष करती रहेगी।

सफलता की कहानी : महतारी वंदन की राशि से आटा चक्की खरीदकर शुरू की काम, आत्मनिर्भर बनी सीमा महंत

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम भेड़वन की रहने वाली सीमा महंत ने इस योजना का लाभ उठाकर अपने जीवन को बदल दिया है। सीमा महंत ने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि को बचाकर 13000 की आटा चक्की खरीदी और व्यवसाय के रूप में ग्रामीणों के आटा पीसने का काम करती हैं। इससे उन्हें हर महीने करीब 5000 रूपये का मुनाफा हो रहा है। सीमा महंत ने कहा कि , ÷सरकार की इस योजना ने मेरी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। इससे मुझे आत्मनिर्भर बनने का मौका मिला। मैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी और छत्तीसगढ़ सरकार की

आभारी हूं, जिन्होंने महिलाओं के लिए इतनी लाभकारी योजना शुरू की।÷ सीमा की इस पहल ने न केवल उनकी आमदनी में इजाफा किया है, बल्कि अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया है। वह बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से प्राप्त धन का सही उपयोग करके कोई भी आत्मनिर्भर बन सकता है।

आर्थिक सशक्तिकरण की मिसाल-सीमा महंत का यह कदम उन महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना चाहती हैं। आटा चक्की खरीदने के बाद वह अपने परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत कर रही हैं। ग्रामवासी भी उनकी मेहनत की सराहना कर रहे हैं। उनका कहना है कि सीमा महंत ने यह साबित कर दिया कि कड़ी मेहनत और सही योजना से कोई भी अपने जीवन में बदलाव ला सकता है।

सरकार की योजनाओं का असर-छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे अपने व्यवसाय शुरू कर सकें। सीमा महंत ने इस योजना का सही उपयोग कर इसे सफलता की कहानी में बदल दिया है।

PSC में सफलता पर अंकित सकनी का भव्य स्वागत, परधान समाज ने निकाली रैली

जिला मुख्यालय में सम्मान समारोह, अंबेडकर प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के होनहार युवा अंकित सकनी के संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) परीक्षा में सफलता हासिल करने पर जिला मुख्यालय में परधान समाज ने उनका भव्य स्वागत किया। इस उपलब्धि से समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और इसे पूरे समाज के लिए गर्व का क्षण बताया गया। अंकित सकनी के सम्मान में समाज के लोगों ने नगर में रैली निकाली। रैली के दौरान सभी लोग बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पहुंचे, जहां माल्यार्पण कर उनके विचारों और आदर्शों को याद किया गया। इसके बाद परधान समाज भवन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों और युवाओं ने अंकित सकनी को फूलमाला और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद अंकित ने अपनी मेहनत और लगन से यह सफलता हासिल की है, जो पूरे समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

समारोह में उपस्थित लोगों ने अंकित सकनी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनकी उपलब्धि से परधान समाज का नाम रोशन हुआ है। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों के सदस्य, महिला समूह, युवा और वरिष्ठजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कोतवाली बीजापुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जागरूकता का संदेश

महिला सशक्तिकरण को लेकर हुआ विशेष कार्यक्रम

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर रविवार को कोतवाली थाना बीजापुर में महिलाओं के सम्मान और जागरूकता को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ाना और थाने आने को लेकर होने वाली झिझक को कम करना रहा।

कार्यक्रम में शहर की कई महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं की बाइक रैली से हुई। नगर पालिका अध्यक्ष गीता पुजारी और अन्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से

गुजरी और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। रैली के बाद थाना परिसर में अतिथियों का स्वागत किया गया और छत्तीसगढ़ महतारी के समक्ष दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष सोम पुजारी ने कहा कि महिलाएँ अब हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और समाज में उनकी भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उप पुलिस अधीक्षक विनीत साहू ने कहा कि महिलाएँ किसी भी तरह से कमजोर नहीं हैं। अगर कहीं अन्याय होता है तो उसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस हमेशा महिलाओं की मदद के लिए तैयार रहती है। जनप्रतिनिधि नीना रावतिया ने भी महिलाओं को आगे बढ़ने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में अच्छा काम करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पार्षद यशोदा पैकरा, सेवानिवृत्त शिक्षिका ए. खान, पत्रकार पुष्पा रोकडे, एएसआई पूनम शर्मा, व्याख्याता जुलेखा खातून, डीआरजी की महिला जवान, स्वास्थ्य विभाग की महिलाएँ, पुनर्वास केंद्र से जुड़ी महिलाएँ, यातायात स्टाफ, पत्रकार और कोतवाली थाना स्टाफ मौजूद रहे। अंत में थाना प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों और महिलाओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से महिलाओं और पुलिस के बीच संवाद बेहतर होता है।

पुजारी कांकेर में सीआरपीएफका सिविक एक्शन कार्यक्रम, ग्रामीणों को सामग्री वितरित कर लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

196 बटालियन की पहल; ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण, दवाइयों के साथ जरूरत का सामान भी बांटा

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के पुजारीकांकेर में रविवार को 196 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की ओर से सिविक एक्शन कार्यक्रम और निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पुलिस महानिरीक्षक सीजी सेक्टर शालीन और पुलिस उप महानिरीक्षक (परिचालन) बीजापुर रेंज बी. एस. नेगी के मार्गदर्शन में तथा कमांडेंट कुमार मनीष की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीणों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दैनिक उपयोग की सामग्री का वितरण किया गया। इसमें ड्रम, कंबल, सोलर लैंप, कृषि कार्य से जुड़े उपकरण, बच्चों के लिए स्कूल बैग, पढ़ाई की सामग्री, कपड़े और खेलकूद का सामान शामिल रहा। इसके साथ ही आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में फील्ड अस्पताल पामेड़ के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. दुष्यंत मिहिर जैसर और मेडिकल स्टाफ ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में मलेरिया जांच भी की गई और जरूरत के मुताबिक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान उप कमांडेंट कुणाल किशोर ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और जरूरतों के बारे में जानकारी ली। ग्रामीणों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए सीआरपीएफ के इस प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में सहायक कमांडेंट रमेश नायक, सहायक कमांडेंट तरुण कुमार मीणा (कैम्प कमांडर पुजारीकांकेर) सहित सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य स्थानीय लोगों के साथ बेहतर संवाद और भरोसा मजबूत करना है।

आवास हितग्राहियों को मिली बड़ी राहत, अब बालू के लिए नहीं करना पड़ेगा भटकाव

बरमकेला /मूक पत्रिका

क्षेत्र के प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अब आवास निर्माण के लिए बालू की व्यवस्था करना पहले की तुलना में आसान हो गया है। नई व्यवस्था के अनुसार हितग्राही ग्राम पंचायत के सचिव से लिखित अनुमति लेकर बालू ला सकेंगे, जिससे निर्माण कार्य में आ रही बाधाएं दूर होने की उम्मीद है।

पिछले कुछ समय से बालू की उपलब्धता नहीं होने के कारण कई हितग्राहियों का आवास निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा था। कई परिवारों को किस्त मिलने के बावजूद भी मकान निर्माण शुरू करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को लेकर क्षेत्र में लगातार चर्चा हो रही थी।

अब प्रशासन की पहल के बाद

हितग्राहियों को बड़ी राहत मिली है। ग्राम पंचायत स्तर पर सचिव से लिखित जानकारी दर्ज कराकर आवास हितग्राही अपने निर्माण कार्य के लिए बालू ला सकते हैं। इससे अब उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

बताया जा रहा है कि इस विषय को लेकर स्थानीय स्तर पर खबरें भी प्रकाशित हुई थीं, जिसके बाद प्रशासन ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए समाधान का रास्ता निकाला। कलेक्टर संजय कन्नौजे के कुशल मार्गदर्शन मे जिला सीईओ इंद्रजीत बर्मन जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अजय पटेल द्वारा आवास हितग्राहियों की समस्या को ध्यान में रखते हुए सहयोगात्मक कदम उठाया गया है। उनके इस निर्णय से अब क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बन रहे घरों के निर्माण कार्य में तेजी आने की संभावना है।

नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब हितग्राही बिना किसी डर या आशंका के बालू की व्यवस्था कर सकेंगे और अपने मकान का निर्माण कार्य आगे बढ़ा सकेंगे। इससे गरीब परिवारों के अपने पक्के घर के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी।

जिला स्तरीय सम्मेलन में विविध प्रतिभा वाले महिलाओं का भी हुआ सम्मान, महिलाओं के लिए किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल और स्वास्थ्य जांच का आयोजन

सारंगढ़ में हर्षोल्लास से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : राष्ट्रीय हस्तशिल्प विजेता शिल्पकार हीराबाई झरेका को महिला दिवस पर किया गया सम्मानित

स्वसहायता समूह की महिलाओं ने अपने स्टॉल से दिखाई स्वरोजगार की मिसाल

महिला समूहों और महतारी वंदन योजना से सशक्त महिलाओं को किया सम्मानित

सक्षम योजना के तहत हितग्राही पात्र महिलाओं को व्यवसाय के लिए किया गया चेक का वितरण

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मंडी प्रांगण सारंगढ़ में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन एवं मड़ई मेला को हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे तथा महिला अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं और खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें कुर्सी दौड़, फुगड़ी, प्रश्नोत्तरी, बैलून गेम, जलेबी दौड़, गेस द मूवी, खो-खो, कबड्डी, दौड़, गोला फेंक और रस्साकशी जैसे खेल शामिल रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला सम्मेलन के दौरान विभिन्न विभागों एवं महिला स्वसहायता समूहों द्वारा स्टॉल भी लगाए गए। यहां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जहां महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच कराई और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। जय मां समलाई महिला समूह द्वारा झाड़ू

एवं अन्य सामग्रियों का स्टॉल लगाया गया, वहीं अन्नपूर्णा स्व सहायता समूह रिसोरा द्वारा बड़ी-बिजौरी का स्टॉल लगाया गया। कार्यक्रम में चित्रकला प्रदर्शनी तथा कोसीर परियोजना के कार्यकर्ताओं द्वारा सुवा नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ महिला कोष की सक्षम योजना के अंतर्गत चार पात्र महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। उपासी बरेठ को फैंसी दुकान खोलने के लिए 80 हजार रुपये, लक्ष्मी पटेल को किराना दुकान के लिए 80 हजार रुपये, शशिका सिदार को कृषि कार्य के लिए 80 हजार रुपये तथा संजूक्ता प्राणिग्राही को डेयरी व्यवसाय के लिए 2 लाख रुपये का डेमो चेक वितरित किया गया।

कार्यक्रम में पंचायत, पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाली चार महिला अधिकारी-कर्मचारियों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा जिले के दो महिला स्व सहायता समूहों को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। छिंद की दिशा आदर्श महिला स्व सहायता समूह को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ÷सारबिला ङ्क द विलेज बेकरी÷ के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर सम्मानित किया गया। वहीं ग्राम बैगिनडीह की हीराबाई झरेका को हस्तशिल्प के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2026 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार मिलने पर महिला दिवस के अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

महतारी वंदन योजना से सशक्त हुई जिले की 13 महिलाओं को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। इन महिलाओं ने योजना के अंतर्गत प्राप्त राशि से अपने परिवार के भरण-पोषण एवं अन्य आवश्यक कार्यों में सहयोग कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे द्वारा ÷बचपन बचाओ ङ्क बाल विवाह रोकथाम÷ विषय पर तैयार किए गए जागरूकता पोस्टर का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर सारंगढ़ विधायक उत्तरी जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, सत्ताधारी राजनीतिक दल के जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल, पूर्व विधायक केराबाई मनहर, एसडीएम वर्षा बंसल, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सारंगढ़ अध्यक्ष ममता सिंह ठाकुर, नगरपालिका सारंगढ़ अध्यक्ष सोनी बंजारे सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी - कर्मचारी और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर में 10 मार्च को राज्य महिला आयोग की महा जन-सुनवाई

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा महिलाओं से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण और उन्हें न्याय दिलाने के उद्देश्य से महा जन–सुनवाई सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 10 मार्च 2026 को बिलासपुर संभाग स्तर पर महा जन–सुनवाई आयोजित की जाएगी। आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक (कैबिनेट मंत्री दर्जा) की अध्यक्षता में गठित न्यायपीठ की उपस्थिति में यह जन–सुनवाई प्रात: 9 बजे से सभाकक्ष प्रार्थना भवन, जल संसाधन विभाग, बिलासपुर में आयोजित होगी। इस अवसर पर आयोग की सदस्य श्रीमती सरला कोसरिया एवं सुश्री दीपिका शोरी भी उपस्थित रहेंगी। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग अधिनियम की धारा 10(3) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार बिलासपुर संभाग के जिलों से प्राप्त महिलाओं से संबंधित आवेदन एवं शिकायतों की सुनवाई कर उनका निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही जन–सुनवाई में उपस्थित होकर पीड़ित महिलाएं नए प्रकरण भी दर्ज करा सकेंगी, जिन पर आयोग द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि महा जन–सुनवाई सप्ताह 8 मार्च से 13 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न संभागों में महिलाओं की समस्याओं की सुनवाई कर त्वरित समाधान का प्रयास किया जा रहा है।

रजिट्रेशन ऑफन्यूज पेपर (सेंट्रल रुल्स) 1956 के अंतर्गत मूक पत्रिका दैनिक समाचार पत्र के संदर्भ में स्वामित्व तथा अन्य विवरण विषय जानकारी घोषणा फार्म-4 (नियम 8)

1. प्रकाशन का स्थान	-	वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पिन कोड नंबर 491335
2. प्रकाशन की नियत अवधि	-	दैनिक
3. मुद्रक का नाम	-	आशीष कुमार कंठले
क्या भारत का नागरिक है	-	हां
पता	-	वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पिन कोड नंबर 491335
मुद्रण स्थल	-	कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001
4. प्रकाशक का नाम	-	आशीष कुमार कंठले
क्या भारत का नागरिक है	-	हां
पता	-	वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पिन कोड नंबर 491335
5. संपादक का नाम	-	आशीष कुमार कंठले
क्या भारत का नागरिक है	-	हां
पता	-	वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पिन कोड नंबर 491335
6. पत्र का स्वामित्व	-	आशीष कुमार कंठले
भागीदार अथवा एक प्रतिशत अधिक पूंजी वाले जिम्मेदार	-	नहीं
पता	-	वार्ड नंबर 15 मंडी मार्ग गंजपारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ पिन कोड नंबर 491335

मैं, आशीष कुमार कंठले एतद द्वारा घोषणा करता हूं कि उपरोक्त विवरण, मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है।

तारीख 09 मार्च 2026

प्रकाशक
आशीष कुमार कंठल

मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की असली कुंजी हैं- मिताली राज

एसईसीएल मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का आयोजन, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने साझा किए सफलता के मंत्र

बिलासपुर। एसईसीएल मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विप्स (वीमेन इन पब्लिक सेक्टर) के तत्वावधान में एसईसीएल ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित तथा भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान और प्रसिद्ध क्रिकेटर सुश्री मिताली राज मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसईसीएल अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन तथा एसईसीएल परिवार की प्रथम महिला एवं श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन उपस्थित रहीं। इस अवसर पर एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन श्रद्धा महिला मंडल की सम्मानित उपाध्यक्षगण श्रीमती अनीता फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास, श्रीमती हसीना कुमार, श्रीमती विनीता जैन तथा श्रीमती शुभश्री महापात्र विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इसके अलावा विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में महिला अधिकारी–कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर आयोजित फायरसाइड चैट में पद्मश्री, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित एवं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने अपने अनुभव साझा किए। इस संवाद का संचालन एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने किया। अपने प्रेरक विचार रखते हुए मिताली राज ने कहा कि आज महिला क्रिकेट ने लंबा

सफर तय किया है और अब यह पुरुष क्रिकेट के समान पहचान और सम्मान प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब परिस्थितियाँ बिल्कुल अलग थीं और महिलाओं के लिए अपने लिए जगह बनाना आसान नहीं था। उन्होंने बताया कि उस दौर में आगे बढ़ने के लिए मानसिक रूप से मजबूत रहना, अपनी सीमाओं को लगातार आगे बढ़ाना और हर चुनौती का डटकर सामना करना बेहद जरूरी था। सफलता के लिए अनुशासन, कड़ी मेहनत और नियमित प्रशिक्षण की भूमिका को भी उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। मिताली राज ने युवाओं, विशेषकर महिलाओं को संदेश देते हुए कहा कि वे अपने सपनों को पाने के लिए हमेशा तैयार रहें, पूरी निष्ठा से अभ्यास करें, अपने भीतर जज़्बा और संघर्ष की भावना बनाए रखें तथा किसी भी परिस्थिति में हार न मानें। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित हैं और हर दिन खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं, तो सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए अपने संबोधन में मुख्य अतिथि एसईसीएल सीएमडी श्री हरीश दुहन ने कहा कि आज महिलाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खुल रहे हैं और अब समय है कि महिलाएँ आगे आकर नेतृत्व की भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि एसईसीएल में नारीशक्ति का योगदान निरंतर बढ़ रहा है और संगठन महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई पहल कर रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे कोल इंडिया की पहली पूर्णतः महिला संचालित डिस्पेंसरी हो, महिला संचालित सेंट्रल स्टोर यूनिट की स्थापना हो या फिर सीएसआर के माध्यम से एसईसीएल के सुश्रुत योजना के तहत युवाओं को डॉक्टर बनने का अवसर प्रदान करना—एसईसीएल महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

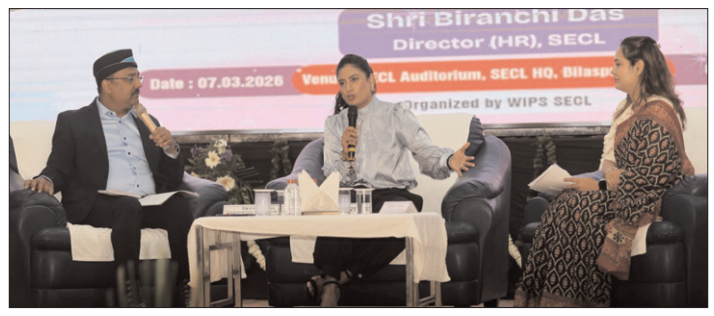

बिलासपुर झारसुगुड़ा 206 किमी चौथी रेल लाइन परियोजना हो रहा पूर्णता की ओर अग्रसर

बिलासपुर। रेल अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा ट्रेनों के सुरक्षित, तीव्र एवं सुचारु परिचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में नई रेल लाइनों के निर्माण, दोहरीकरण तथा तृतीय एवं चतुर्थ रेल लाइन परियोजनाओं पर तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में बिलासपुर झारसुगुड़ा रेलखंड के मध्य लगभग 206 किलोमीटर लंबी विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन परियोजना को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण किया जा रहा है। यह रेलखंड हावड़ा मुंबई ट्रंक लाइन पर अवस्थित एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं व्यस्त मार्ग है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत अब तक लगभग 180 किलोमीटर चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिससे इस रेलखंड पर क्षमता विस्तार का लक्ष्य तेजी से साकार हो रहा है। इसी परियोजना

के अंतर्गत सारागांव देवरी बाराद्वार जेठा सक्ती स्टेशनों के मध्य 22.2 किलोमीटर लंबी नई विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इंटरलॉकिंग सहित सभी आवश्यक तकनीकी कार्यों की पूर्णता के पश्चात दक्षिण पूर्व सर्किल के आयुक्त, रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) श्री बी.के. मिश्रा द्वारा दिनांक 05 एवं 06 मार्च 2026 को इस रेलखंड का निरीक्षण किया गया। सभी परीक्षण एवं औपचारिकताओं के संतोषजनक पाए जाने के पश्चात आयुक्त, रेलवे सेफ्टी द्वारा इस नई चौथी रेल लाइन पर रेल परिचालन के लिए अधिकृत प्रदान कर दिया गया है। इस अनुमति के साथ ही उक्त रेलखंड पर सवारी एवं मालगाड़ियों के सुरक्षित एवं नियमित परिचालन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। हावड़ा मुंबई ट्रंक लाइन पर स्थित इस महत्वपूर्ण रेलखंड में चौथी रेल लाइन की कमीशनिंग से ट्रेन परिचालन में गतिशीलता आएगी तथा ट्रेनों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित होगा। इसके साथ ही इस क्षेत्र के उद्योग एवं व्यापार को नई गति मिलेगी तथा रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, इस व्यस्त मार्ग पर बढ़ते यातायात को सुचारु रूप से संचालित करने में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के अशोक नगर से जो शिकायतें सामने आ रही हैं, वे प्रशासन के लिए गंभीर चेतावनी हैं : अंकित गौरहा

बिलासपुर। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के अशोक नगर से जो शिकायतें सामने आ रही हैं, वे प्रशासन के लिए गंभीर चेतावनी हैं। महिलाओं, और बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अशोक नगर में असामाजिक तत्वों से दहशत, महिलाओं ने मांगी पुलिस सुरक्षा शहर के अशोक नगर क्षेत्र में बढ़ती असामाजिक गतिविधियों से परेशान रहवासियों ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। इलाके में रहने वाली लक्ष्मी केवट नाम की महिला ने पुलिस को आवेदन देकर बताया कि कुछ युवक आए दिन मोहल्ले में उत्पात मचाते हैं, जिससे खासकर महिलाएं और बच्चे भय के माहौल में रहने को मजबूर हैं। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि क्षेत्र में कुछ युवक लड़कियों

के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं और महिलाओं से गाली–गलौज करते हैं। साथ ही इलाके में नशाखोरी, शराबखोरी और चाकूबाजी जैसी घटनाएं भी सामने आती रहती हैं, जिससे स्थानीय लोगों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। महिला ने बताया कि इन गतिविधियों के कारण मोहल्ले के छोटे बच्चों पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। आरोप है कि कुछ युवक बच्चों को भी नशे की ओर धकेलने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे अभिभावकों में गहरी चिंता व्याप्त है। पीड़िता के अनुसार कई बार पुलिस को फोन कर सूचना देने के बावजूद समय पर मदद नहीं मिल पाती, जिसके कारण क्षेत्र के लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। मोहल्लेवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अशोक नगर क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

बालको की उन्नति परियोजना ने बदली जिंदगी, गंगोत्री से मशरूम दीदी बनने का सफर

कोरबा। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) अपनी सामुदायिक विकास परियोजना 'उन्नति' के अंतर्गत स्व–सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इन्हीं में से एक प्रेरक कहानी लालघाट क्षेत्र की निवासी गंगोत्री विश्वकर्मा की है, जिन्होंने रोज की मजदूरी से निकलकर मशरूम उत्पादन के जरिये आत्मनिर्भरता की नई पहचान बनाई। बालको के सामुदायिक विकास सहयोग और प्रशिक्षण से आज 'मशरूम दीदी' न सिर्फ अपने परिवार को संबल दे रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी आत्मनिर्भरता की राह खोल रही हैं। गंगोत्री जी ने बताया कि कुछ साल पहले तक उनकी जिंदगी रोज की मजदूरी के सहारे चलती थी। सुबह काम मिले तो चूल्हा जले, नहीं मिले तो बच्चों के चेहरे देखकर मन भीतर ही भीतर टूट जाता था। भविष्य की चिंता हर रात नींद छीन लेती थी। लेकिन वर्ष 2019 उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ बनकर आया। इसी साल उन्नति परियोजना के माध्यम से जय मां हर्षिता स्व सहायता समूह से जुड़कर, मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण लिया। उस दिन मैंने महसूस किया कि शायद मेरी मेहनत भी किसी दिन अपनी पहचान बना सकती है। बालको के सहयोग से मिले प्रशिक्षण के बाद मैंने उसी वर्ष मशरूम की खेती शुरू की। शुरुआत में 16 बैग लगाए थे। मन में बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन जब फसल आई तो सिर्फ 2 बैग में ही मशरूम उगे।

शिकायत के एक महीने बाद भी कार्रवाई नहीं, शिक्षा विभाग पर उठे बड़े सवाल.....

बिलासपुर। जिला शिक्षा विभाग में फिर उठे सवाल अनुकंपा नियुक्ति को लेकर कथित फर्जीवाड़े का मामला अब संभागीय स्तर तक पहुंच गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अंकित गौरहा ने संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग आरपी आदित्य से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और शीघ्र जांच कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में देरी हुई या मामले को दबाने की कोशिश की गई तो वह इस मुद्दे को हाईकोर्ट तक ले जाएंगे।संयुक्त संचालक से मुलाकात के दौरान गौरहा ने बताया कि उन्होंने लगभग एक माह पूर्व संभागायुक्त और संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग को लिखित शिकायत देकर जांच की मांग की थी, लेकिन अब तक न तो शिकायत का कोई जवाब मिला और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की गई।उन्होंने कहा कि यदि मामले में लापरवाही बरती गई तो जिम्मेदार अधिकारियों को न्यायालय में जवाब देना होगा। अंकित गौरहा ने आरोप लगाया कि जिला शिक्षा विभाग में एक दर्जन से अधिक अनुकंपा

नियुक्ति प्रकरणों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। आरोप है कि पात्र आवेदकों को दरकिनार कर अपात्र लोगों को नौकरी दी गई और इस पूरी प्रक्रिया में कथित तौर पर भारी लेन–देन हुआ है। गौरतलब है कि इस मामले में पहले भी केंद्रीय मंत्री तोखन साहू द्वारा कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए गए थे। कलेक्टर के आदेश के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने स्तर पर जांच के निर्देश जारी किए थे, लेकिन उस जांच प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। गौरहा ने कहा कि जिस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी और स्थापना शाखा के बाबू सुनील यादव पर आरोप लगाए गए हैं, उसकी जांच ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से कराना तकनीकी रूप से उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर के अधिकारियों की जांच संभागीय स्तर की टीम से कराई जानी चाहिए, ताकि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी हो सके। गौरहा ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ मामलों में अन्य जिलों के आवेदकों को भी अनुकंपा नियुक्ति दी गई है, जो नियमों के खिलाफहै। उन्होंने पूरे मामले की व्यापक जांच की मांग की। संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग आरपी आदित्य ने कहा कि वह हाल ही में लंबी छुट्टी से लौटे हैं और संभव है कि शिकायत पत्र उनके संज्ञान में नहीं आया हो। उन्होंने तत्काल दोनों शिकायत पत्र मंगवाकर मामले की समीक्षा करने की बात कही। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामला गंभीर है और इसकी जांच के लिए जल्द ही एक टीम गठित की जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील, नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

//आम सूचना//

एतद द्वारा सर्वसाधारण व आम जनता एवं ग्रामवासी ग्राम नवागढ़, प.ह. नं. 13 तहसील नवागढ़ जिला–बेमेतरा छ.ग. को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रूबीखान पति स्व. अरमान खान जाति मुसलमान निवासी बाजार मोहल्ला धुंआ बिछिया तहसील बिछिया जिला मंडला म.प्र. के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया है, कि मौजा ग्राम नवागढ़ प.ह.न. 13 रा.नि.मं. नवागढ़ तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में सैबान खान, अरमान खान, नवाब खान, रूखसाना, सखावत अली, अनवरी के संयुक्त नाम पर भूमिस्वामी हक की कृषि भूमि खसरा नं. 343/3, 360/2, 363, 383/3, 345/2, 364, 369, 374, 383/3, 320/1, 307/1, 307/2 रकबा क्रमश: 0.06, 0.39, 0.52, 0.18, 0.84, 0.48, 0.26, 0.28, 0.31, 0.50, 0.32,0.12 हे. कुल ख.न. 12 कुल रकबा 5.26 हे. भूमि माननीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 01 बेमेतरा के प्रकरण कमांक 04/2020 में पारित निर्णय एवं डिकी दिनांक 17.12.2019 के अनुसार अ–01 से 04 में दर्शित कृषि भूमियो में रूकसाना बेगम का 1/9 अंश नुरजहां बेगम के वारिसों का 1/9 अंश अनवरी बेगम के वारिसो 1/9 अंश कब्जा दिये जाने का आदेश पारित किया गया है। जिसके आधार पर खाता विभाजन किये जाने हेतु इस न्यायालय मे आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो, तो नियत पेशी दिनांक 11.03.2026 तक स्वयं अथवा विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति पेश कर सकते है समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02.03.2026 को यह आम सूचना मेरे स्वत: के हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार, नवागढ़
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./250/प्र./ना. तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब–121 वर्ष 2025–26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक शत्रुहन पिता धनसिंग 34 वर्ष जाति धोबी निवासी ग्राम पिपरभट्ठा, तहसील व जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा आवेदक अपने दादा दुकालू पिता पचकौड़ का मृत्यु ग्राम पिपरभट्ठा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) में दिनांक 12.02.2002 को होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नही करा पाना बताया गया है। अत: आवेदक अपने दादा दुकालू पिता पचकौड़ का मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक 14–03–2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपने दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है।

उक्त तिथी के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 25–2–2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मोहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार नवागढ़, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अजय यादव पिता श्री प्रदीप यादव जाति राउत निवासी ग्राम गोपालपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि आवेदक का पुत्र लक्ष्मन यादव का जन्म / मृत्यु दिनांक 29.06.2022 को ग्राम गोपालपुर ग्राम पंचायत गोपालपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में हुआ है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा लक्ष्मन यादव का जन्म / मृत्यु पंजीयन ग्राम कोटवार/थाना/ग्राम पंचायत गोपालपुर में दर्ज नहीं करवाया है, अब जन्म / मृत्यु प्रमाणपत्र की आवश्यकता हो रही है ग्राम पंचायत / नगर पंचायत / जनपद पंचायत गोपालपुर को जन्म पंजीयन कर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11.03.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार, नवागढ़
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र/ /प्र./तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब–121 वर्ष 2025–26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक संतोष ध्रुव पिता मन्तराम ध्रुव निवासी ग्राम धनगांव तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने बुआ थनवारिन बाई पति लेड़गा ध्रुव के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका मृत्यु दिनांक 15/14/2014 को ग्राम मोहरेंगा में होना व भूलवश ग्राम/पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 10/03/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम स उपस्थित हो कर अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 23/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र/ /प्र./तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब–121 वर्ष 2025–26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक बबलू यादव पिता राजेश यादव निवासी ग्राम झाल तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने माताजी तीजन बाई पति राजेश यादव के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका मृत्यु दिनांक 09/02/2024 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम/नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 12/03/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 26/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन गुहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

संपादकीय

युद्ध के बिगड़ते स्वरूप के बीच भारतीयों को वापस लाना चिंता का विषय

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और कहना मुश्किल है कि आने वाले दिनों में यह कौन-सी दिशा अख्तियार करेगा। खासतौर पर हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसमें मध्य-पूर्व के देशों में भी स्थिति चिंताजनक हो रही है।इस बीच भारत के लिए एक बड़ी फिक्र यह खड़ी हुई है कि अलग-अलग उद्देश्य से मध्य-पूर्व के देशों में गए जो भारतीय फंस गए हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित कैसे निकाला जाए।अमेरिका और इजरायल के साझा हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल को निशाना बनाने के साथ-साथ बहरीन, सऊदी अरब, कतर समेत कई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइल से हमले किए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि वहां रहने वाले लोगों के सामने किस तरह की मुश्किलें खड़ी हो रही होंगी। स्वाभावकि ही भारत के सामने बड़ी चिंता उन इलाकों में फंसे भारतीयों को वापस लाने की है।दरअसल, समूचे पश्चिम एशिया का इलाका इस समय युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया लग रहा है। स्वाभाविक ही वहां रह रहे तमाम आम लोगों के सामने खुद को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, जो लोग दूसरे देशों से वहां गए हैं, वे किसी तरह वहां से निकलने की उम्मीद में हैं। ऐसे में भारत सरकार ने युद्ध प्रभावित देशों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कोशिश शुरू की है, लेकिन ठोस नतीजे के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है।सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात की समीक्षा की और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीयों की सहायता के लिए जरूरी और व्यावहारिक कदम उठाएं।सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है। भारत ने शांति और सुरक्षा के साथ-साथ विवादों के समाधान के लिए संवाद तथा कूटनीति का समर्थन किया है, लेकिन फिलहाल ज्यादा जरूरत इस बात की है कि युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाए।गौरतलब है कि ईरान में करीब दस हजार भारतीय नागरिक रहते हैं, जो पढ़ाई और काम करते हैं। वहीं इजरायल में चालीस हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। इसके अलावा, खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग नब्बे लाख भारतीय रहते हैं।इन देशों में सैन्य तनाव बढ़ने और युद्ध का दायरा फैलने की वजह से उड़ान सेवाएं व्यापक पैमाने पर बाधित हुई हैं।

आज ईरान के संदर्भ में भारत संप्रभुता के प्रश्न पर मुखर नहीं दिखता, तो कल वैश्विक दक्षिण के अन्य देश अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए भारत पर क्यों विश्वास करेंगे?1 मार्च 2026 को ईरान ने पुष्टि की कि उसके सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैय्यद अली हुसैनी ख़ामेनेई की एक दिन पहले अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए हमलों में हत्या कर दी गई। जारी वार्ताओं के बीच किसी वर्तमान राष्ट्राध्यक्ष की हत्या समकालीन अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक गंभीर दरार का संकेत है। किंतु इस घटना की स्तब्धता से परे, जो बात उतनी ही स्पष्ट रूप से सामने आती है, वह है नई दिल्ली की चुप्पी। भारत सरकार ने न तो इस हत्या की निंदा की है।

ईरान संकट पर क्यों चुप है सरकार, क्या हम अपनी विदेश नीति की आत्मा खो रहे हैं?

(सोनिया गांधी)

ईरानी संप्रभुता के उल्लंघन पर स्पष्ट आपत्ति दर्ज की है। प्रारंभ में, अमेरिकी-इजरायली हमले की अनदेखी करते हुए, प्रधानमंत्री ने केवल ईरान द्वारा यूएई पर की गई जवाबी कार्रवाई की निंदा तक स्वयं को सीमित रखा, और उससे पहले घटित घटनाक्रम पर मौन साधे रखा। बाद में उन्होंने गहरी चिंता और संवाद एवं कूटनीति की बातें कहीं–जबकि ठीक यही प्रक्रिया उन बड़े और उकसावे रहित हमलों से पहले जारी थी जिन्हें इज़राइल और अमेरिका ने शुरू किया। किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या पर यदि हमारा देश संप्रभुता या अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में स्पष्ट आवाज़ नहीं उठाता और निष्पक्षता से हटता हुआ दिखता है, तो यह हमारी विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। इस संदर्भ में चुप्पी को तटस्थता नहीं माना जा सकता। यह हत्या बिना औपचारिक युद्ध-घोषणा के और एक चल रही कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान की गई। संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 2(4) किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल प्रयोग या उसकी धमकी को निषिद्ध करता है। किसी वर्तमान राष्ट्राध्यक्ष की हत्या इन सिद्धांतों के मूल पर प्रहार करती है। यदि ऐसे कृत्य विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से सिद्धांतनिष्ठ आपत्ति के बिना गुजर जाते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का क्षरण सामान्यीकृत होना आसान हो जाता है।

महज 48 घंटे पहले प्रधानमंत्री इजरायल यात्रा से लौटे

स्थिति की गंभीरता समय-परिस्थिति से और बढ़ जाती है। हत्या से महज 48 घंटे पहले प्रधानमंत्री इज़रायल यात्रा से लौटे थे, जहाँ उन्होंने बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार के प्रति अपना स्पष्ट समर्थन दोहराया-जबकि गाज़ा में भारी नागरिक हताहतों को लेकर वैश्विक स्तर पर आक्रोश जारी है, जिनमें महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक दक्षिण के कई देश, साथ ही ब्रिक्स में भारत के साझेदार रूस और चीन, इज़राइल से दूरी बनाए हुए हैं, भारत का यह उच्च-प्रोफ़ाइल राजनीतिक समर्थन नैतिक स्पष्टता के बिना एक चिंताजनक विचलन प्रतीत होता है। इस घटना के प्रभाव केवल भू-राजनीति तक सीमित नहीं हैं; इसकी प्रतिध्वनियाँ महाद्वीपों में दिखाई दे रही हैं। और भारत की स्थिति इस त्रासदी के प्रति मौन स्वीकृति का संकेत देती प्रतीत होती है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ईरानी भूमि पर बमबारी और हत्याओं की स्पष्ट शब्दों में निंदा की है, और इसे क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर गंभीर परिणामों वाली खतरनाक वृद्धि बताया है। हमने ईरानी जनता तथा विश्वभर के शिया समुदायों के प्रति संवेदना व्यक्त की है, और दोहराया है कि भारत की विदेश नीति विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांत पर आधारित है, जैसा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 में परिलक्षित होता है। संप्रभु समानता, अहस्तक्षेप और शांति के संवर्धन जैसे सिद्धांत ऐतिहासिक रूप से भारत की कूटनीतिक पहचान का अभिन्न अंग रहे हैं। वर्तमान संकोच इसलिए केवल सामरिक नहीं, बल्कि हमारे घोषित मूल्यों से असंगत प्रतीत होता है।

भारत के लिए यह प्रकरण विशेष रूप से चिंताजनक है। ईरान के साथ हमारे संबंध सभ्यतागत होने के साथ-साथ रणनीतिक भी रहे हैं। 1994 में, जब इस्लामिक सहयोग संगठन के कुछ तत्वों ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में कश्मीर को लेकर भारत के विरुद्ध प्रस्ताव लाने का प्रयास किया

था, तब तेहरान ने उस प्रयास को विफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस हस्तक्षेप ने भारत के आर्थिक परिवर्तन के संवेदनशील दौर में कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण को रोका। ईरान ने ज़ाहेदान में, पाकिस्तान सीमा के निकट, भारत की कूटनीतिक उपस्थिति को भी सक्षम बनाया-जो ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के विकास के प्रति एक रणनीतिक संतुलन का कार्य करता है।

'मोदी सरकार को वाजपेयी की यात्रा याद रखनी चाहिए'

वर्तमान सरकार को यह स्मरण रखना चाहिए कि अप्रैल 2001 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने तेहरान की आधिकारिक यात्रा के दौरान ईरान के साथ भारत के गहरे, सभ्यतागत और समकालीन संबंधों की गर्मजोशी से पुनः पुष्टि की थी। उन दीर्घकालिक संबंधों की उनकी वह स्वीकृति और सराहना आज की सरकार के लिए मानो अप्रासंगिक प्रतीत होती है।

हाल के वर्षों में इजरायल के साथ भारत के संबंध रक्षा, कृषि और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में विस्तृत हुए हैं। किंतु यही तथ्य कि भारत तेहरान और तेल अवीव दोनों से संबंध रखता है, उसे संयम की अपील करने का कूटनीतिक अवसर प्रदान करता है। परंतु ऐसा अवसर विश्वसनीयता पर निर्भर करता है। और विश्वसनीयता सिद्धांत-आधारित आचरण से आती है, न कि तात्कालिक सुविधा से।

यह केवल नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। लगभग एक करोड़ भारतीय खाड़ी क्षेत्र में निवास और कार्य करते हैं। अतीत के संकटों, जैसे गल्फ युद्ध से लेकर यमन, इराक और सीरिया तक में अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भारत की क्षमता उसकी स्वतंत्र पहचान पर आधारित रही है, न कि किसी शक्ति-गुट के प्रतिनिधि के रूप में।

यह विश्वसनीयता संयोग से निर्मित नहीं हुई थी। स्वतंत्रता के बाद भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित थी - निष्क्रिय तटस्थता के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता के सचेत आग्रह के रूप में। यह महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा में समाहित होने से इनकार था। वर्तमान क्षण यह प्रश्न उठाता है कि क्या वह रुख कमजोर पड़ रहा है। शक्तिशाली देशों द्वारा एकतरफा सैन्य कार्रवाई पर अनालोचनात्मक मौन उस सिद्धांत से पीछे हटने जैसा प्रतीत होता है - और प्रभावतः हमारी विरासत से विमुखता का संकेत देता है।

यह केवल इतिहास का प्रश्न नहीं, बल्कि भारत की वर्तमान आकांक्षाओं से जुड़ा हुआ है। जो देश स्वयं को वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है, उसके लिए मौन स्वीकृति की छवि नुकसानदायक होगी। यदि संप्रभुता की अवहेलना बिना परिणाम के संभव है, तो छोटे राष्ट्र शक्तिशाली देशों की इच्छाओं के प्रति असुरक्षित हो जाते हैं। भारत बार-बार नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की वकालत करता रहा है, जो कमजोरों को बलपूर्वक दबाव से बचाए। किंतु यदि यह सिद्धांत तब न बोला जाए जब परीक्षा तत्काल और असुविधाजनक हो, तो वह तर्क खोखला प्रतीत होता है। यदि आज ईरान के संदर्भ में भारत संप्रभुता के प्रश्न पर मुखर नहीं दिखता, तो कल वैश्विक दक्षिण के अन्य देश अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए भारत पर क्यों विश्वास करेंगे?

'इस संगति के समाधान का उपयुक्त मंच संसद'

इस असंगति के समाधान का उपयुक्त मंच संसद है। जब वह पुनः आहूत होगी, तब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के इस विघटन और उस पर भारत की चुप्पी पर खुली बहस होनी चाहिए। किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का क्षरण और पश्चिम एशिया में बढ़ती अस्थिरता–ये सब भारत के रणनीतिक हितों और नैतिक प्रतिबद्धताओं से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े प्रश्न हैं। भारत की स्थिति की स्पष्ट अभिव्यक्ति अब अनिवार्य है। लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व इसकी मांग करता है और रणनीतिक स्पष्टता भी।

भारत लंबे समय से 'वसुधैव कुटुंबकम' के आदर्श का आह्वान करता रहा है और इस बात को दोहराता रहा है कि विश्व एक परिवार है। यह सभ्यतागत भावना केवल औपचारिक कूटनीति का नारा नहीं; यह न्याय, संयम और संवाद के प्रति प्रतिबद्धता का संकेत है, भले ही वह असुविधाजनक क्यों न हो। जब नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था स्पष्ट दबाव में हो, तब मौन सिद्धांतों को तिलांजलि देने के समान है। भारत ने स्वयं को केवल एक क्षेत्रीय शक्ति से अधिक के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है; उसने संप्रभुता, शांति, अहिंसा और न्याय के पक्ष में बोलने वाली आवाज़ बनने की आकांक्षा की है, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों। आज आवश्यकता है कि हम उस नैतिक शक्ति को पुनः स्मरण करें और उसे स्पष्टता तथा दृढ़ता के साथ व्यक्त करें। (लेखिका कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद हैं।)

खामेनेई की हत्या के बाद ईरान में आगे क्या होगा? ट्रंप और नेतन्याहू की जोड़ी ने पैदा किए खतरनाक हालात

(पवन उपरेति)

ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही सैन्य कार्रवाई को तेज कर रहे हैं। इसलिए युद्ध के जल्द रुकने के कोई आसार नहीं दिखते। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या मध्य पूर्व में बहुत बड़ा घटनाक्रम है। खामेनेई की हत्या के बाद ईरान और इसके आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर उथल-पुथल हो सकती है। ऐसा लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पिछले साल जून में हुए संघर्ष के दौरान खामेनेई को निशाना बनाने से रोका था लेकिन इस बार ट्रंप ने खुद इसकी अुगवाई की। हालांकि 1989 में जब खामेनेई सुप्रीम लीडर बने थे तब और अब के हालात में काफी अंतर है। देश में धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों को लेकर लोग बेहद गुस्से में हैं। ऐसे हालत में जब तक कुछ बड़ी राजनीतिक और धार्मिक रियायतें नहीं दी जाती, ईरान में धार्मिक नेतृत्व की पकड़ बने रहना मुश्किल हो जाएगा। दूसरा सवाल यह है कि क्या खामेनेई के जाने के बाद भी ईरान में स्थिरता रहेगी? खामेनेई की हत्या के तुरंत बाद इजरायल ने ईरान पर अपने हमले तेज कर दिए। यह हमले पिछले साल से कहीं ज्यादा बड़े थे। तीसरा सवाल यह है कि क्या गृह युद्ध छिड़ जाएगा? ईरान ने जब अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए तो उसने अरब में अपने दुश्मनों और दोस्तों के बीच कोई फर्क नहीं किया। उसकी मिसाइल और ड्रोन ने ओमान और कतर सहित खाड़ी के छह देशों को निशाना बनाया जबकि 1979 से ही ओमान ने कभी भी ईरान के खिलाफ रुख नहीं अपनाया। ईरान की सरकार के वरिष्ठ अफसरों ने संकेत दिया है कि ईरान की सेना 'स्वतंत्र' रूप से कम कर रही है और अगर ऐसा ही जारी रहा तो गृह युद्ध छिड़ सकता है। यह भी संभावना है कि नरमपंथियों और कट्टरपंथियों के बीच लंबे समय से चल रहा सत्ता संघर्ष एक खुली लड़ाई में तब्दील हो जाएगा। चौथा सवाल इस बात का है कि क्या ईरान में सत्ता परिवर्तन होगा? ईरान का इतिहास बताता है कि बाहर के दखल से सत्ता परिवर्तन कम ही होता है। 1979 में ईरान में हुई इस्लामिक क्रांति के लिए जनता ने लंबा संघर्ष किया था। इसी तरह बड़ी संख्या में ऐसे ईरानी जो मौलवियों के शासन को पसंद नहीं करते, उनके लिए इसे उखाड़ फेंकना भी आसान नहीं होगा इसके लिए लोगों को सड़कों पर उतरना होगा। पांचवा सवाल यह है कि खामेनेई की विरासत का क्या होगा? खामेनेई लंबे वक्त तक ईरान के राष्ट्रपति रहे और 1989 के बाद सुप्रीम लीडर बने। उनके लंबे शासन का असर ईरान पर पड़ा। कई ईरानी उन्हें इस्लाम के दुश्मनों का शिकार मानते हैं, इसलिए कई लोग उनकी तुलना इमाम अली से कर रहे हैं। छठा सवाल यह है कि क्या ईरान में सांप्रदायिक तनाव बढ़ेगा? खामेनेई की हत्या के बाद ईरान ने छह खाड़ी देशों में शामिल जॉर्डन, साइप्रस और उत्तरी इराक को भी निशाना बनाया। अब देश जॉर्डन साइप्रस और उत्तरी इराक में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया लेकिन इसका असर आबादी वाले इलाकों पर भी हुआ। इससे अरबी-फारसी बंटवारा और गहरा हो गया है। ईरान को इसे हल करना आसान नहीं होगा। सातवां सवाल यह है कि क्या खामेनेई की मौत के बाद वलायत-ए-फकीह का पद रहेगा? जब अयातुल्लाह खोमैनी ने खुद को 'गार्डियन ऑफ द ज्यूरिस्ट' घोषित किया था, तब से इस पद को लेकर शिया इस्लाम के धर्मगुरुओं में मतभेद रहे हैं। इसलिए खामेनेई की मौत के बाद इस पद का क्या होगा, इसे लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

आठवां सवाल है कि अंत में क्या होगा? इसका जवाब है कि युद्ध कभी भी आसानी से खत्म नहीं होते। अमेरिका और इजरायल अपने सैन्य अभियानों को लगातार तेज कर रहे हैं और ऐसा नहीं लगता कि इस युद्ध का तत्काल कोई अंत होगा। ईरान के जवाबी हमलों ने सदियों पुराने अरब-फारसी और सुन्नी-शिया विवाद को फिर भड़का दिया है। ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही सैन्य कार्रवाई को तेज कर रहे हैं। इसलिए युद्ध के जल्द रुकने के कोई आसार नहीं दिखते। ट्रंप और नेतन्याहू की जोड़ी ने ऐसे खतरनाक हालात पैदा कर दिए हैं जिसमें इस हिंसा का अंत नहीं दिखाई देता।(लेखक पीआर कुमारस्वामी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में पढ़ाते हैं।)

आबकारी नीति मामले में आप नेताओं का बरी होना बड़ी संजीवनी

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

(ललित गर्ग)

यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अर्थात सीबीआई द्वारा पंजीकृत किया गया था और लंबे समय से सार्वजनिक बहस के केंद्र में था। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत आरोप ठोस साक्ष्यों और विश्वसनीय गवाहियों पर आधारित नहीं हैं तथा आरोपपत्र में वर्णित दावे न्यायिक परीक्षण की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। न्यायालय की यह टिप्पणी कि अनुमानों और अटकलों को विधिसम्मत प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, न केवल इस विशेष प्रकरण बल्कि समग्र अन्वेषण प्रक्रिया के लिए भी गंभीर संकेत देती है। आबकारी नीति मामले यह फैसला आप के लिए एक बड़ी संजीवनी या 'प्राणवायु'के समान है। यह फैसला आप को 'कट्टर ईमानदार' की छवि वापस पाने और आगामी चुनावों के लिए एक आक्रामक रुख अपनाने में मदद करेगा, जिससे विपक्षी दलों का मनोबल भी बढ़ा है। कोर्ट से मिली क्लीन चिट ने आप नेताओं की साख बहाल की है जिससे पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। यह निर्णय 'राजनीतिक प्रतिशोध' के नैरेटिव को बल देता है जिससे आप अपनी छवि को बेदाग साबित कर पा रही है। विपक्षी दल इस घटना को केंद्रीय एजेंसियों सीबीआई एवं ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ एक जीत के रूप में देख रहे हैं जिससे उन्हें केंद्र के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। इस फैसले से दिल्ली और पंजाब में आप को मजबूती मिलेगी और वह आगामी चुनावों के लिए आक्रामक प्रचार कर सकती है।विवाद का मूल वर्ष 2021 में लागू की गई नई आबकारी नीति से जुड़ा था। उस समय दिल्ली सरकार ने तर्क दिया था कि शराब व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से राजस्व में वृद्धि होगी, भ्रष्टाचार कम होगा और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। किंतु नीति के क्रियान्वयन के बाद उस पर अनियमितताओं तथा कथित पक्षपात के आरोप लगाए गए। यही आरोप आगे चलकर आपराधिक प्रकरण का आधार बने। जुलाई 2022 से यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख विषय बन गया और चुनावी सभाओं में इसे व्यापक रूप से उठाया गया। अब जबकि ट्रायल कोर्ट ने अभियोजन के तर्कों को अपर्याप्त पाया है, तो स्वाभाविक है कि इसका राजनीतिक प्रभाव भी पड़ेगा। हालांकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस निर्णय को दिल्ली उच्च न्यायालय, में चुनौती देने की घोषणा की

है। अतः अंतिम विधिक स्थिति अभी स्पष्ट नहीं मानी जा सकती। साथ ही प्रवर्तन निदेशालय, अर्थात ईडी ने यह कहा है कि उससे संबंधित धनशोधन प्रकरण की जांच स्वतंत्र आधारों पर चल रही है। यदि उच्च न्यायालय भी निचली अदालत के निर्णय को बरकरार रखता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठेगा कि समान घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न अन्वेषणों की विधिक संगति किस प्रकार सुनिश्चित की जाएगी।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संस्थागत विश्वसनीयता से जुड़ा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्वेषण एजेंसियों की भूमिका अत्यंत संवेदनशील होती है। वे केवल अपराध की जांच ही नहीं करतीं, बल्कि न्याय व्यवस्था के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व भी करती हैं। यदि न्यायालय यह टिप्पणी करता है कि जांच पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है या पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए, तो यह केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत शुचिता पर प्रश्नचिह्न बन जाता है। न्याय का मूल सिद्धांत है कि अभियुक्त तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसका दोष विधिसम्मत प्रमाणों के आधार पर सिद्ध न हो जाए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शासन की समग्र विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो कठोर दंड आवश्यक है; किंतु यदि आरोप पर्याप्त प्रमाणों के अभाव में टिक नहीं पाते, तो इससे राजनीतिक विमर्श की विश्वसनीयता पर भी आघात पहुँचता है। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु आरोपों का उपयोग यदि मुख्यतः चुनावी रणनीति के रूप में किया जाता है और वे न्यायालय में प्रमाणित नहीं हो पाते, तो इससे जनता के मन में संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है।

इस निर्णय के बाद स्वाभाविक रूप से आम आदमी पार्टी को नैतिक बल प्राप्त हुआ है। किंतु इस तथ्य को केवल किसी एक दल की विजय या पराजय के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इससे व्यापक स्तर पर यह संदेश भी जाता है कि न्यायिक प्रक्रिया स्वतंत्र है और वह अभियोजन की कमजोरी को रेखांकित करने से संकोच नहीं करती। न्यायालय की कठोर टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि केवल आरोपों की गंभीरता पर्याप्त नहीं है; उन्हें प्रमाणों की दृढ़ता से पुष्ट करना भी अनिवार्य है। दूसरी ओर, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यदि वास्तव में किसी नीति में अनियमितता हुई थी, तो उसके समर्थन में ठोस साक्ष्य क्यों प्रस्तुत नहीं किए जा सके। क्या अन्वेषण प्रक्रिया में तकनीकी कमियाँ रहीं? क्या साक्ष्य-संग्रह में सावधानी का अभाव था? या फिर आरोपों का प्रारूपण ही पर्याप्त स्पष्ट नहीं था? ये प्रश्न केवल इस प्रकरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जांच प्रक्रियाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं।

भ्रष्टाचार-निरोध की दिशा में प्रभावी कदम तभी संभव हैं जब अन्वेषण निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत हो। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार-विरोध का नैतिक आग्रह तभी प्रभावी है जब वह स्वयं प्रमाण-आधारित हो। यदि आरोपों का आधार कमजोर होगा, तो वे न्यायिक समीक्षा में टिक नहीं पाएंगे और इससे वास्तविक भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष भी कमजोर पड़ेगा। इस घटनाक्रम ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है- अन्वेषण एजेंसियों की स्वायत्तता और उत्तरदायित्व का संतुलन। लोकतंत्र में एजेंसियों को स्वतंत्रता आवश्यक है, किंतु वह स्वतंत्रता विधिक मानकों और न्यायिक नियंत्रण के अधीन रहती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि प्रक्रिया की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यदि अभियोजन पक्ष पर्याप्त तैयारी के बिना आरोप प्रस्तुत करता है, तो उसका परिणाम यही होगा कि मामला प्रारंभिक चरण में ही कमजोर पड़ जाएगा। न्यायसंगत प्रक्रिया की गारंटी भी है। आरोप सिद्ध करने की जिम्मेदारी राज्य पर होती है और वह भी संदेह से परे प्रमाणों के आधार पर। यदि यह मानक पूरा नहीं होता, तो किसी भी व्यक्ति को केवल सार्वजनिक धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस निर्णय का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो-क्योंकि उच्च न्यायालय में चुनौती लंबित है फिर भी यह अवसर अवश्य प्रदान करता है कि हम भ्रष्टाचार-निरोध की अपनी कार्ययोजना को अधिक सुदृढ़ और प्रमाण-आधारित बनाएं। राजनीतिक विमर्श को आरोपों की तीव्रता से आगे बढ़कर प्रमाणों की गुणवत्ता पर केंद्रित करना होगा। अन्वेषण एजेंसियों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी कार्रवाई निष्पक्षता और विधिक दृढ़ता का उदाहरण बने। लोकतंत्र की शक्ति उसके संस्थानों की विश्वसनीयता में निहित होती है। जब न्यायालय निर्भीक होकर जांच की कमियों को इंगित करता है, तो वह व्यवस्था को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है। आवश्यकता इस बात की है कि इस निर्णय को किसी दलगत लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह प्रकरण केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहेगा, बल्कि शासन-प्रणाली की परिपक्वता का प्रमाण भी बनेगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

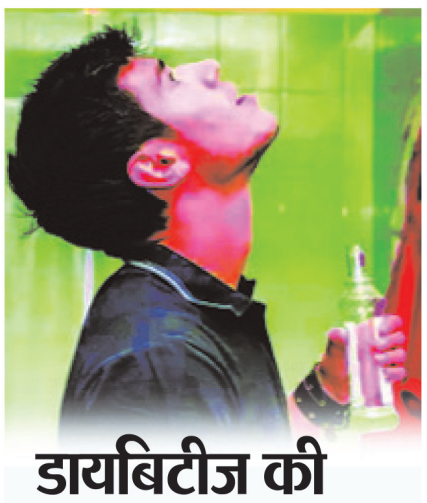

डायबिटीज की शुरूआत में हमारा मुंह भी देता है वार्निंग साइन

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज एक क्रॉनिक डिसीज है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को तेजी से प्रभावित कर रही है। ब्लडस्ट्रीम में ग्लूकोज के निर्माण के कारण ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि के कई लक्षण हो सकते हैं। वैसे तो डायबिटीज के कुछ लक्षण साफ नजर आते हैं और अधिकतर लोग इनके बारे में जानते भी हैं। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता। विशेषज्ञों के अनुसार, डायबिटीज की शुरूआत ज्यादा भूख लगने, बार-बार पेशाब आने, थकान और चिडचिड़ेपन से होती है। इन मुख्य संकेतों के अलावा हमारा मुंह भी 3 वार्निंग साइन देता है। एक व्यक्ति की ओरल हेल्थ से उनके ब्लड शुगर लेवल सहित स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ पता चल सकता है। आपकी मदद के लिए हम यहां आपको ऐसे ही 3 प्रमुख लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

सूखा हुआ गला

सूखा हुआ मुंह टाइप-1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों के सामान्य और शुरूआती लक्षणों में से एक है। इसमें व्यक्ति का मुंह जरूरत से ज्यादा सूखने लगता है और उसकी प्यास भी बढ़ जाती है। हालात ऐसे बन जाते हैं कि वह एक बार में गैलेन पानी तक पी लेता है। हालांकि, ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि व्यक्ति को क्यों प्यासा महसूस कराती है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन कई सिद्धांतों के अनुसार, मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए ली जाने वाली कुछ दवाओं के कारण ऐसा हो सकता है। सूखे हुए मुंह के लक्षणों में जीभ में सूखापन, मुंह में नमी की कमी, फटे होंठ, मुंह में छाले और चबाने में कठिनाई जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

दांतों का खराब होना

डायबिटीज के रोगी में मसूड़ों की बीमारी के चलते दांत खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। मसूड़ों के चारों तरफ प्लाक बनने से दांतों के बीच गैप आ जाता है, जिससे आसपास की पकड़ ढीली होने लगती है और दांत खराब हो जाते हैं। कई शोधों से पता चलता है कि अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की तुलना में डायबिटीज रोगियों के दांत दोगुना टूटते हैं। वद्धावस्था और उन लोगों में जोखिम ज्यादा खतरनाक है, जो ओरल हेल्थ की देखभाल नहीं करते। सूजे हुए मसूड़े या दांत में दर्द हो , तो यह आपके दांतों के खराब होने का लक्षण है। ओरल हेल्थ से जुड़ी जटिलताओं से बचने के लिए डायबिटीज रोगी को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना चाहिए। मधुमेह के ज्यादातर मामलों में लोग केवल पैर और आंखों की देखभाल पर ध्यान देते हैं। ऐसे में डेंटल केयर को कई बार दरकिनार कर दिया जाता है, जो मौखिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मसूड़े का रोग

मुंह के सूखने पर दांतों के आसपास और मसूड़ों के नीचे लार का उत्पादन प्रभावित होता है। नतीजा, शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे कीटाणु और प्लैग का निर्माण होता है। यह आपके मसूड़ों को परेशान करने के साथ मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न और दांतों के झड़ने का कारण बनता है। अनियंत्रित मधुमेह के मामलों में मसूड़ों की बीमारी ज्यादा आम है। यह बीमारी इस बात का संकेत है कि आपका ब्लड शुगर लेवल खराब है और आपको इस पर ध्यान देना चाहिए। गले में खराश, मसूड़ों में खून आना, संवेदनशील दांत, सांस की दुर्गंध, मुंह में खराब स्वाद आना मसूड़ों की बीमारी के लक्षण देखे गए हैं।

वजन घटाने में मदद कर सकता है एक गिलास दूध

दूध पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं, यह बात तो हम सब जानते हैं। पर क्या आपको पता है रोजाना एक गिलास दूध पीने से आप अपना कई किलो वजन भी कम कर सकते हैं। जी हां आइए जानते हैं कैसे दूध का सेवन करने से व्यक्ति घटा सकता है अपना कई किलो वजन और डाइट में इसे शामिल करने से व्यक्ति को होते हैं क्या-क्या फायदे।

दूध में प्रोसेन, एल्बिनिन और ग्लोबुलिन जैसे प्रोटीन प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के हंगर हार्मोन को रेगुलेट करने का काम करते हैं। दूध का सेवन करने से पेट जल्दी तृप्त हो जाता है। इतना ही नहीं दूध भूख बढ़ाने वाले हार्मोन घ्रेलनि के स्तर को कम करते हुए, भूख कम करने वाले हार्मोन जैसे जीएलपी -1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कम कैलोरी का सेवन करता है और उसे अपना वजन कम करने में सहायता मिलती है। न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट के अनुसार सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफैन, मैग्नीशियम और मेलाटोनिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो नींद की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। ये सभी पोषक तत्व मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ाकर नसों और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने का काम करते हैं। चूंकि दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए यह वजन घटाने और मांसपेशियों के निर्माण में भी बेहद सहायक है। दूध जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ चयापचय में सुधार करके व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। जिसकी वजह से कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है और व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दूध पीने के फायदे -

वजन कम करने में मददगार

दूध में मौजूद कैल्शियम न सिर्फ हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद करता है बल्कि यह वजन कम करने में भी मदद कर सकता है। सेहत पर हुए कुछ अध्ययनों के अनुसार, कैल्शियम और विटामिन डी शरीर का चयापचय बढ़ाकर कैलोरी जलाने में मदद करती है। इसके अलावा दूध में मौजूद संयुग्मित लिनोलेनिक एसिड फेट को बर्न करने में भी मददगार होते हैं।

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। यही वजह है कि रोजाना इसे डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म दूध से करने से शरीर दिनभर ऊर्जावान बना रहता है। इसके साथ ही ये मांसपेशियों के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है।

कब्ज की समस्या

अगर आपको कब्ज की समस्या है तो गर्म दूध पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। ये पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जिन्हें कब्ज की समस्या है वो गर्म दूध को दवा के तौर पर अपना सकते हैं।

अनिंद्रा की समस्या

रात में दूध पीने का ये सबसे बड़ा फायदा है। कई ऐसे अध्ययन सामने आए हैं जिनके अनुसार, रात को सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीने से नींद अच्छी और भरपूर आती है।

ब्लड प्रेशर

दूध पीने के फायदे में रक्तचाप को नियंत्रित करना भी शामिल है। जी हां, लो-फैट मिल्क का सेवन करने से हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

आयुर्वेद औषधियों में होता है बरगद के फल का प्रयोग

बरगद के फल खनिज लवणों, एंटीऑक्सीडेंट और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होते हैं जो उच्च रक्तचाप से लेकर कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम को कम करने में सहायक है। इस पेड़ से मिलने वाले लाभों के बारे में हमें आयुर्वेदिक डॉक्टर ने विस्तार से जानकारी दी है। आज हम आपको इस पेड़ से होने वाले कई फायदों के बारे में बता रहे हैं।

इम्यूनिटी बूस्टर

बरगद का फल फल एक इम्यूनिटी बूस्टर है। इम्यूनिटी बढ़ाने में बरगद का फल काफी फायदेमंद होता है। यह आपको कई बीमारियों से बचाता है और आपको खांसी, जुकाम, फ्लू आदि से भी दूर रखता है। आयुर्वेद में इस पेड़ को वट वृक्ष के नाम से जाना जाता है। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र के वैद्य डॉ.शरद कुलकर्णी ख्रद्ब (इभफ),(घ्द्धक़) ने हमसे बातचीत में बताया बरगद के पेड़ से मिलने वाली हर एक चीज का प्रयोग प्राचीन काल से ही कई तरह की औषधि के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि बरगद के फल से लेकर इसकी छाल, पत्ते, दूध और बीजों का भी कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जाता है।

बरगद के फल के पोषक तत्व

इसका वानस्पतिक नाम फिकस बेंगालेंसिस है। इस पेड़ के फल में भरपूर मात्रा में कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट, शुगर, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी1, विटामिन बी3 होता है। इसके अलावा इसकी पत्तियों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है। बरगद में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है।

दिल के लिए फायदेमंद

बरगद के पेड़ के फल पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, ओमेगा 3 और 6 से भरपूर होते हैं, जो स्वस्थ दिल के लिए बहुत जरूरी हैं। दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक आमतौर पर तब होता है जब मानव शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है जिसके टलते शरीर की धमनियां काम करना बंद कर देती हैं। सोडियम का हाई लेवल धमनियों को श्रिंक यानी संकुचित करता है और पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की स्पीड को धीमा कर देता है। डॉ. के अनुसार, बरगद के फल में मौजूद पोटैशियम सोडियम के स्तर को कम करने में कारगर होता है। इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो रक्तचाप को कम करते हैं और कोरोनरी हृदय रोग को रोकने के लिए उपयोगी होते हैं।

मधुमेह में लाभदायक

डॉ.ने बताया कि अगर डायबिटीज के रोगी हर रोज बरगद के फल के चूर्ण का सेवन करें तो उन्हें इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मधुमेह के मरीज चाहें तो बाजार से इसका पाउडर ले सकते हैं या फिर घर पर इसका उबला हुआ पानी पी सकते हैं।

पेट के रोग को दूर करता है

अगर आप डायरिया और पेचिश से परेशान हैं तो बरगद के पत्तों की कलियां बहुत फायदेमंद होती हैं। आयुर्वेद में इसका उपयोग पुराने दस्त और पेचिश के इलाज के लिए किया जाता है।

इन समस्याओं से भी दिलाता राहत

आयुर्वेद में स्किन डिसीज यानी चर्म रोगों के इलाज के लिए भी बरगद के पेड़ की छाल और पत्तों का प्रयोग किया जाता है। जोड़ों के दर्द को भी कम करने में बरगद के पत्तों का पानी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको इसके पाउडर को गर्म पानी में मिलाना है और फिर उस पानी में पैर डालने हैं, इससे आपका दर्द कम हो जाएगा।

पसीने के चलते पैरों में होता है इन्फेक्शन

गर्मियों के मौसम में अक्सर मोजे पहनने के बाद उन्हें उतारते ही बदबू का अहसास होता है। ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। इसके अतिरिक्त पसीने की वजह से कई लोगों के तलवों अंगुलियों के निचले हिस्से से खाल उतरने लगती है या खाल नम हो जाती है, यह एक प्रकार का संक्रमण है जिसे एथलीट फुट कहा जाता है। लेकिन इस इन्फेक्शन में पैर एथलीट के पैरों की तरह मजबूत नहीं होते, बल्कि सडने़ लगते हैं और ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। यह एक तरह का दाद है जो पैर की उंगलियों से शुरू होकर पूरे शरीर में फैल सकता है। इस संक्रमण में पैर और तलवे की त्वचा सडने़ लगती है। पसीने में तर मोजे और जूते को पहनने से गर्मियों में पैरों में दाद की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। जूते पहनने के बाद पैरों से लगातार पसीना आता है। इसी पसीने में बैक्टीरिया पनपते हैं। पैरों से निकली डेड स्किन के साथ मिलकर ये बैक्टीरिया दुर्गंध पैदा करते हैं। अगर किसी के पैरों से बहुत दुर्गंध आ रही हो तो इसका मतलब है कि उसके पैरों में बड़ी संख्या में बैक्टीरिया फैल चुका है।

पैर शरीर के उन अंगों में से एक है, जहां सबसे ज्यादा पसीना आता है। ऐसे में लोग जूते के साथ मोजे पहनते हैं। मोजे को धोने से पसीना भी धुल जाता है और पैरों में बैक्टीरिया और फंगस नहीं फैलता। लेकिन यदि कोई एक ही मोजे को बार-बार पहने या बिना मोजे के जूता पहने तो जूते में पसीना जमा होने लगता है। जिसके चलते बैक्टीरिया और फंगस बढने़ लगते हैं। इस इन्फेक्शन की वजह से ये फंगस पैरों में दाद-खाज की वजह बन जाते हैं। इसके अलावा कभी भी एक ही मोजा बार-बार बिना धुले न पहनें। मोजे को धुलने के बाद भी अच्छे से डिसइंफेक्टेड करना जरूरी है। धोते हुए ध्यान रखें कि मोजे से डिटर्जेंट अच्छी तरह से निकल जाए नहीं तो ये रैशेज और जलन का कारण हो सकता है। मोजे पहनते हुए ख्याल रखें कि वह पूरी तरह से सूखें हों और उनमें थोड़ी भी नमी न हो। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि पसीने की नमी कई तरह के इन्फेक्शन का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है कि समय-समय पर तलवों तक खुली हवा पहुंचे और वह सूखे रहें। इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि सप्ताह में कम से कम एक दिन जूते-मोजे की जगह सैंडल या चप्पल पहन कर बाहर निकलें और यदि घर पर हों तो स्लीपर पहनने की कोशिश करें। टाइट जुराब ब्लड सर्कुलेशन को धीमा कर देते हैं। इसके अलावा टाइट मोजे बॉडी हीट को भी बाहर नहीं आने देते, जिससे ओवरहीटिंग की समस्या हो सकती है। पैरों को भी ब्रीथ करने की जरूरत होती है। इसलिए पैरों को समय-समय पर खुले रखना और लूज जुराब पहनना जरूरी है। अपने पैरों के साइज से थोड़े बड़े और कॉटन के मोजे पहनें। मोजे बस इतने टाइट होने चाहिए, जिससे स्किन पर निशान न पड़ें। अगर मोजे से स्किन पर निशान पड़ता है तो इसका मतलब है कि आपको इससे बड़े साइज के मोजे लेने की जरूरत है।

आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आपकी मदद कर सकती हैं आंखों के योग की क्रियाएं

अगर काम के कारण आपकी आंखों में दर्द और थकान रहती है, तो फेशियल योग आपकी मदद कर सकता है। इस योग क्रिया को करने से मात्र 10 मिनट में आग और दिमाग रिलेक्स हो जाएंगे। क्या आप कंप्यूटर के सामने बैठते वक्त अपनी आंखों को रगड़ते हैं। अगर ऐसा है, तो आप अेकेले नहीं हैं। आजकल औसत वयस्क अब दिन में आठ घंटे से ज्यादा समय किसी न किसी प्रकार की स्क्रीन के सामने बैठे रहते हैं। इस बढ़ते स्क्रीन टाइम ने आंखों में धुंधलापन, खुजली, सिरदर्द, थकान और आंखों में दर्द से पीड़ित लोगों की संख्या में वृद्धि की है।

दरअसल, स्क्रीन पर ज्यादातर समय बिताने की प्रक्रिया में लोग अपने शरीर के सबसे जरूरी अंग आंखों को भूल जाते हैं। कंप्यूटर और लैपटाप पर काम करते-करते आंखों में दर्द , जलन या थकान महसूस करने लगते हैं। कमजोर या थकी हुई आंखों के कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन अगर आप भविष्य में आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आंखों के लिए योगा की कुछ क्रियाएं आपकी मदद कर सकती हैं। इन्हें करने से मात्र 10 मिनट में न केवल आंखों को बल्कि दिमाग को भी आराम मिल जाएगा। आंखों को आराम देने वाली 3 योग क्रियाएं -

स्टेप-1

- फेशियल योग करने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। इसे पोंछकर चेहरे पर कोई सिरम या फेस ऑयल लगा लें।
- अब कुछ सैकंड्स इससे मसाज करें। आपका फेस योगा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।
- सबसे पहले स्टेप में उंगली से अंदर आंखों पर अंदर से बाहर की तरफ मसाज करें।
- हल्के प्रेशर के साथ उंगली को घुमाएं। वैसे आप चाहें, तो इस दौरान आंखें खुली रख सकते हैं , लेकिन बंद रखेंगे तो आंखों को ज्यादा आराम मिलेगा।
- इस स्टेप को आप दो से तीन मिनट तक दोहराएं।
- इसके बाद बाहर से अंदर की ओर सर्कल बनाते हुए मसाज करें।
- कुछ देर मसाज करने के बाद रिलेक्स करें।

स्टेप-2

- इस स्टेप में इंडेक्स और मिडिल फिंगर से वी शेप बनाएं।
- इसे अपनी आंखों के दोनों कोनों पर रखें।
- अब कुछ देर बिना रूके पलकों को झपकाते रहें। रिलेक्स करें और फिर दोहराएं। यहां आंखों पर रखी उंगलियों मसल्स को सपोर्ट करेंगी, जिससे आंखों पर बहुत ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा।
- इस स्टेप को एक बार में एक मिनट तक करें, रिलेक्स हो जाएं और फिर शुरू करें।

स्टेप-3

- अपनी आंखों को बंद कर लें ।
- अब आईबॉल पर उंगली से हल्का प्रेशर करते हुए अंदर से बाहर की ओर घुमाएं। इसके बाद बाहर से अंदर की ओर घुमाएं।
- अब अपने हाथों की सभी उंगलियों को एकसाथ मिला लें और एक-एक हाथ कारके आंखों पर एक-एक कर रखें।
- फिर दोनों हाथों की उंगलियों को आंखों पर रखकर रिलेक्स करें।
- इस स्टेप को आप एक बार में दो से तीन मिनट तक रिपीट कर सकते हैं। चूंकि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए इसे करते समय ध्यान रखें कि आंखों पर ज्यादा दबाव न पड़े।

इन फेशियल एक्सरसाइज को दिन के किसी भी समय किया जा सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि योग करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें। त्वचा पर सीरम या मॉइश्चराइजर लगा लें। ऐसा करने से स्टेप करना आसान हो जाएगा और स्किन भी डैमेज नहीं होगी।

संक्षिप्त समाचार

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता लागू करने की तैयारी तेज

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सरकार के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष भारत और ब्रिटेन के बीच कुल

व्यापार 47.2 अरब पाउंड रहा, जो एक साल में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस समझौते से वर्ष 2040 तक दोनों देशों के बीच व्यापार में लगभग 25.5 अरब पाउंड की वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। ब्रिटेन की संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स में इस समझौते को लेकर चर्चा हुई, जिसमें सांसदों ने इसके विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। ब्रिटेन के व्यापार एवं उद्योग विभाग के राज्य मंत्री लॉर्ड जेसन स्टॉकवुड ने कहा कि अब सरकार का ध्यान समझौते पर हस्ताक्षर से आगे बढ़कर उसके क्रियान्वयन पर केंद्रित हो गया है। उन्होंने बताया कि इस समझौते के लागू होने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि यह इस वर्ष वसंत ऋतु के अंत तक लागू हो सकता है। स्टॉकवुड ने इस समझौते को दोनों देशों के संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उनके अनुसार, इस समझौते के तहत भारत 90 प्रतिशत वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेगा, जिससे ब्रिटेन के मौजूदा निर्यात के लगभग 92% हिस्से को लाभ मिलेगा। बहस के दौरान कुछ सांसदों ने कहा कि यह समझौता केवल नए बाजार खोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे व्यापार को स्थिरता मिलेगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग भी बढ़ेगा। ब्रिटिश संसद में इस समझौते की पुष्टि की प्रक्रिया जारी है। सांसदों और लॉर्ड्स द्वारा सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद इसे लागू किया जाएगा, जिसकी संभावना अगले महीने जताई जा रही है। इससे ब्रिटेन को शुरुआत में हर साल करीब 40 करोड़ पाउंड की शुल्क बचत होने का अनुमान है, जो अगले दस वर्षों में बढ़कर लगभग 90 करोड़ पाउंड तक पहुंच सकती है। उन्होंने बताया कि इस समझौते के बाद भारत में औसत आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटकर करीब 3 प्रतिशत रह जाएगा। ब्रिटिश सरकार के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष भारत और ब्रिटेन के बीच कुल व्यापार 47.2 अरब पाउंड रहा, जो एक साल में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस समझौते से वर्ष 2040 तक दोनों देशों के बीच व्यापार में लगभग 25.5 अरब पाउंड की वृद्धि होने की उम्मीद है।

संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भारत की नई शिक्षा नीति की तारीफ

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र में भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के समावेशी शिक्षा मॉडल की सराहना हुई। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधार्थी जैन ह्यूबल ने कहा कि यह नीति दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को मजबूत करती है और परीक्षा-केंद्रित व्यवस्था से आगे बढ़कर कौशल व योग्यता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देती है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 61वें सत्र में भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के समावेशी शिक्षा मॉडल की वैश्विक स्तर पर सराहना की गई है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधार्थी जैन ह्यूबल ने जेनेवा में परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की यह नीति दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। ह्यूबल ने रेखांकित किया कि पारंपरिक परीक्षा-केंद्रित प्रणाली के बजाय भारत अब कौशल और योग्यता आधारित शिक्षा पर जोर दे रहा है। उन्होंने विशेष रूप से अक्षर फाउंडेशन जैसे संगठनों के कार्यों का उल्लेख किया, जो सरकारी स्कूलों के साथ मिलकर दिव्यांग छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ रहे हैं। ह्यूबल के अनुसार सहायक तकनीकों और लचीले शिक्षण रास्तों के माध्यम से भारत के लगभग 21 लाख विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने वैश्विक समुदाय से भारत के इस होलिस्टिक (समग्र) शिक्षा मॉडल को समर्थन देने की अपील की, जो न केवल साक्षरता बल्कि रोजगार और सामाजिक भागीदारी पर भी केंद्रित है।

ईरान पर हमलों के बीच अमेरिका ने इक्वाडोर में की सैन्य कार्रवाई

नार्को-आतंकवाद के खात्मे का ऑपरेशन सफल

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका और इक्वाडोर की संयुक्त सेना ने इक्वाडोर में नार्को-आतंकवादियों के खिलाफ सटीक सैन्य अभियान चलाया। दोनों देशों ने आतंक और ड्रग तस्करी नेटवर्क को खत्म करने का प्रयास किया। इक्वाडोर में अमेरिकी और इक्वाडोरियन सेनाओं ने मिलकर नार्को-आतंकवादियों के खिलाफ सटीक और निर्णायक सैन्य अभियान चलाया। यह जानकारी अमेरिकी साउथर्न कमांड ने साझा की। साउथर्न कमांड के कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देशन में यह अभियान इक्वाडोरियन सुरक्षा बलों के सहयोग से संपन्न हुआ। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। जनरल डोनोवन ने कहा 'हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर नार्को-आतंकवाद के खिलाफ

आगे बढ़ रहे हैं। मैं संयुक्त सेनाओं और इक्वाडोरियन सशस्त्र बलों को इस सफल ऑपरेशन के लिए बधाई देता हूं। यह सहयोग और निर्णायक कार्रवाई पश्चिमी गोलार्ध के लिए रणनीतिक सफलता है, जो नार्को-आतंकवाद को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' साउथर्न कमांड के वरिष्ठ प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ और देश की सुरक्षा बलों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ने नार्को-आतंकवादी आपूर्ति केंद्रों को बाधित किया और उनके लॉजिस्टिक नेटवर्क को कमजोर किया। पार्नेल ने आगे कहा इक्वाडोर के अनुरोध पर यह अभियान चलाया गया ताकि हमारे साझा उद्देश्य (नार्को-आतंकवादी नेटवर्क को समाप्त करना) को आगे बढ़ाया जा सके। यह कार्रवाई यह संदेश देती है कि नार्को-आतंकवादी हमारे क्षेत्र में पनाह नहीं पाएंगे। अमेरिका उन देशों का समर्थन करता रहेगा, जो नार्को-आतंकवाद के खिलाफ खड़े हैं। साथ मिलकर हम तस्करी और भ्रष्टाचार नेटवर्क को ध्वस्त करेंगे, संगठनों को जवाबदेह ठहराएंगे और ताकत के जरिए शांति बहाल करेंगे। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इक्वाडोर के सहयोगियों को धन्यवाद दिया और कहा कि अमेरिकी साउथर्न कमांड से और अपडेट आने की उम्मीद है। फॉक्स समाचार की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल ऑपरेशन में किसी के हताहत होने की जानकारी स्पष्ट नहीं है। यह स्ट्राइक पिछले सप्ताह अमेरिकी और इक्वाडोरियन सेनाओं द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियानों का हिस्सा है, जिसमें संदेहित नार्को-आतंकवादियों को निशाना बनाया गया।

ईरान पर अब तक के सबसे बड़े हमले का दावा

तेहरान ने दागी इस्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें

ईरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब आठवें दिन में प्रवेश कर रहा है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का युद्ध को लेकर सख्त रवैया और खाड़ी देशों में बढ़ता संघर्ष, वैश्विक राजनीति के लिया बड़ा संकट साबित होता दिख रहा है। अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में पढ़ें पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से जुड़े तमाम अपडेट्स

दुबई मीडिया कार्यालय ने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किसी घटना की सूचना दी गई थी। हालांकि, कार्यालय ने स्पष्ट किया कि एक सफल इंटरसेप्शन ऑपरेशन के दौरान

गिरे टुकड़े के कारण हुई मामूली घटना को सुलझा लिया गया। अमेरिका देगा इस्राइल को हथियार, 151.8 मिलियन डॉलर की सैन्य सहायता मंजूर अमेरिका ने इस्राइल को लगभग 151.8 मिलियन डॉलर के हथियारों और सैन्य सहायता की बिक्री को मंजूरी दे दी है। यह सौदा ऐसे समय में हुआ है जब ईरान और इजराइल के बीच जंग का आठवां दिन है, और यह क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को दर्शाता है। अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा दी गई इस मंजूरी को एक आपातकालीन बिक्री के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इस तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि मौजूदा आपातकालीन स्थिति को देखते हुए यह सैन्य सामान तुरंत बेचना आवश्यक हो गया था। यह कदम इस्राइल की सैन्य क्षमता को मजबूत करने और क्षेत्र में अपनी स्थिति बनाए रखने के उसके प्रयासों का समर्थन करने के लिए उठाया गया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज से बात करते हुए कहा कि आज रात ईरान के खिलाफ हमारा सबसे बड़ा बमबारी अभियान होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमले से ईरानी मिसाइल लॉन्चरों, मिसाइल बनाने वाले कारखानों को सबसे ज्यादा नुकसान होगा, और हम उन्हें काफी हद तक कमजोर कर रहे हैं। बेसेंट ने ईरान पर आर्थिक अराजकता पैदा करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है, और इसके लिए उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य पर तेहरान के नियंत्रण का हवाला दिया है।

ईरान और इस्राइल-अमेरिका के बीच जंग का आठवां दिन है। इस बीच इस्राइल ने नए हमलों की लहर शुरू कर दी। इस बीच ईरान में भूंकप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के और बढ़ने की आशंका है। इस्राइल ने तेहरान पर नए 'व्यापक' हमलों की घोषणा करते हुए ताबड़तोड़ हमले करना शुरू कर दिए हैं। एएफपी के अनुसार ईरान के सरकारी प्रसारक ने राजधानी के पश्चिमी हिस्से में कई विस्फोट की सूचना दी।

ट्रंप की हत्या की साजिश करने वाला पाकिस्तानी व्यक्ति दोषी करार

वाशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क की अदालत ने एक पाकिस्तानी नागरिक को डोनाल्ड ट्रंप और अन्य अमेरिकी नेताओं की हत्या की साजिश रचने का दोषी पाया है। वह ईरानी सेना के इशारे पर काम कर रहा था। उसने कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए यह योजना बनाई थी। न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी व्यक्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य नेताओं की हत्या की साजिश रचने का दोषी पाया गया है। इस व्यक्ति के संबंध ईरान से हैं। उसने यह साजिश ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची थी। सुलेमानी की मौत साल 2020 में एक अमेरिकी हमले में हुई थी। मामले में 48 साल के आसिफ रजा मर्चेंट को शुक्रवार को ब्रुकलिन की अदालत में दोषी ठहराया गया। एक फेडरल जूरी ने उसे भाड़े पर हत्या करने और आतंकवाद फैलाने की कोशिश का अपराधी माना। मर्चेंट को अब उम्रकैद की सजा हो सकती है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बोंडी ने बताया कि मर्चेंट खास तौर पर ट्रंप को मारने के इरादे से अमेरिका आया था। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) का एक प्रशिक्षित एजेंट था। उसने अदालत में माना कि साल 2024 में आईआरजीसी ने उसे

राजनीतिक हत्याओं का इंतजाम करने के लिए अमेरिका भेजा था। उसके निशाने पर ट्रंप के अलावा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और निक्की हेली भी हो सकते थे। मर्चेंट ने स्वीकार किया कि उसका मुख्य लक्ष्य ट्रंप ही थे। मर्चेंट अप्रैल 2024 में अमेरिका पहुंचा था। जून में वह कुछ लोगों से मिला जिन्हें वह हत्यारा समझ रहा था। असल में वे न्यूयॉर्क पुलिस के अंडरकवर अधिकारी थे। जुलाई 2024 में देश छोड़ने से पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पामेला बोंडी ने कहा कि यह आदमी ट्रंप को मारने की उम्मीद में आया था, लेकिन उसका सामना अमेरिकी कानून की ताकत से हुआ। एफबीआई के अनुसार, मर्चेंट ने ईरानी शासन के कहने पर अमेरिकी नेताओं की हत्या की योजना बनाई थी। यह लोकतंत्र पर हमला करने की एक नाकाम कोशिश थी। मर्चेंट ने 2022 के अंत में आईआरजीसी के लिए काम करना शुरू किया था। वहां उसने जासूसी और निगरानी की ट्रेनिंग ली थी। इसके बाद उसे अमेरिका में नए लोगों को भर्ती करने के लिए भेजा गया। मर्चेंट ने गवाही दी कि उसे सुलेमानी की मौत का बदला लेने का काम सौंपा गया था।

● केपी शर्मा ओली और गगन थापा जैसे बड़े नेता भी चुनावी मैदान में हैं

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने 28 सीटें जीतीं और 90 पर बढ़त; बालेन शाह जीत के करीब

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में पांच मार्च को हुए मतदान के बाद अब मतगणना हो रही है। नेपाल के आम चुनाव के शुरुआती परिणाम सियासी समीकरण बदलने के संकेत दे रहे हैं। शुरुआती आंकड़ों में बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी पारंपरिक दलों को कड़ी चुनौती देती दिख रही है। करीब 60 फीसदी मतदान के बीच केपी शर्मा ओली और गगन थापा जैसे बड़े नेता भी चुनावी मैदान में हैं। नेपाल के आम चुनाव में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने बढ़त बनाई हुई है। पार्टी ने अब तक 28 सीटें जीतीं और कुल 90 सीटों पर बढ़त बनाए रखी है, जिससे पूर्व महापौर और रैपर बालेन' शाह जीत के बेहद करीब हैं। बालेंद्र शाह ने कुल 39,284 वोट हासिल किए, जो उनके प्रतिद्वंदी से 28,991 वोट अधिक हैं। काठमांडू घाटी में हुए चुनावों में पूर्व महापौर और रैपर बालेन शाह की पार्टी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरस्क) ने शानदार जीत हासिल की है। यह जानकारी नेपाल निर्वाचन आयोग ने साझा की है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के वरिष्ठ नेता और पीएम पद उम्मीदवार बालेन शाह ने सीपीएन-यूएमएल के

अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली पर अपनी बढ़त को और बढ़ा ली है। नवीनतम मतगणना के अनुसार शाह को 39,284 वोट मिले हैं, जबकि ओली को 10,293 वोट प्राप्त हुए हैं। जैसे-जैसे निर्वाचन क्षेत्र में मतगणना आगे बढ़ रही है बड़ा अंतर सामने आ रहा है।

ताजा अपडेट के अनुसार, आरसीपी 93 सीटों में आगे चल रही है, उसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री ओली की पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) को एक सीट पर जीत और 13 सीटों में बढ़त हासिल है। जबकि नेपाली कांग्रेस 10 सीटों में आगे है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) नौ इलाकों में आगे चल रही है।

काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के पूर्व मेयर बालेन शाह, ओली के पारंपरिक राजनीतिक गढ़ में प्रधानमंत्री पद के दो उम्मीदवारों के बीच मुकाबले में हैं। वोटों की गिनती के अनुसार शाह को 39,284 वोट मिले हैं, जबकि ओली को 10,293 वोट मिले हैं।

चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, बालेन शाह की पार्टी (आरएसपी) अब तक 23 सीटें जीत चुकी है, जबकि 93 अन्य सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। वहीं, पारंपरिक दलों में नेपाली कांग्रेस को 5 सीटें, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी को 2 सीटें औरनेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) को 1 सीट मिली है। बालेन शाह की पार्टी (आरएसपी) अब तक 18 सीटें जीत चुकी है।

अब पश्चिम एशिया में मेरोप्स सिस्टम तैनात करेगा अमेरिका, ईरानी ड्रोन से बचाव की तैयारी तेज

लंदन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरानी ड्रोन खतरे को देखते हुए अमेरिका जल्द मेरोप्स एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात करेगा। यूक्रेन में सफल रहे इस एआई आधारित सिस्टम से ड्रोन को पहचानकर उन्हें हवा में ही नष्ट किया जा सकेगा। पश्चिम एशिया में ईरान के ड्रोन खतरे को देखते हुए अमेरिका अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत करने जा रहा है। इसके लिए अमेरिका जल्द ही मेरोप्स नामक एंटी-ड्रोन सिस्टम क्षेत्र में तैनात करेगा। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह वही सिस्टम है जिसने यूक्रेन में रूसी ड्रोन के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन किया है। दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में अभी ड्रोन हमलों से निपटने के लिए पर्याप्त तकनीक मौजूद नहीं है। हालांकि अमेरिका ने ईरानी मिसाइलों को गिराने के लिए पैट्रियट और थाड जैसे मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल किया है, लेकिन छोटे और सस्ते ड्रोन को रोकना अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे शाहेद ड्रोन तकनीकी रूप से बहुत जटिल नहीं हैं, लेकिन बड़ी संख्या में छोड़े जाने के कारण ये खतरनाक साबित होते हैं। रूस भी यूक्रेन युद्ध में इसी प्रकार के ड्रोन का लगातार इस्तेमाल कर रहा है और उन्हें लगातार अपग्रेड कर रहा है। यही कारण है कि अमेरिका अब सस्ते और तेज समाधान तलाश रहा है। अमेरिकी कांग्रेस की इंटेलिजेंस कमेटी के वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सदस्य जिम हाइम्स के मुताबिक अमेरिका मिसाइल हमलों को रोकने में तो काफी सक्षम है, लेकिन ड्रोन से निपटना कहीं ज्यादा मुश्किल साबित हो रहा है। इस्तेमाल की जाने वाली मिसाइल की कीमत लाखों डॉलर तक पहुंच जाती है। ऐसे में सस्ते ड्रोन के खिलाफ लगातार महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों का उपयोग करना व्यावहारिक नहीं है। हाइम्स ने इसे गणित की समस्या बताते हुए कहा कि लागत और संसाधनों के इस असंतुलन के कारण नई और सस्ती एंटी-ड्रोन तकनीक विकसित करना बेहद जरूरी हो गया है।

भारत को इस वजह से मिली रूस से तेल खरीद की छूट

अमेरिकी वित्त सचिव ने दिया बड़ा बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत को रूसी तेल खरीदने की छूट मिली है। इस पर बोलते हुए अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव और समुद्री रास्तों में रुकावट के कारण यह फैसला लिया गया। अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट ने फिर कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को रूसी तेल खरीदने की इजाजत दी है। यह अनुमति पश्चिम एशिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर दी गई है। उन्होंने फॉक्स बिजनेस के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि भारत ने पहले रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया था। अब वैश्विक तेल आपूर्ति में अस्थायी कमी को दूर करने के लिए यह छूट दी गई है। खाड़ी देशों में संकट की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले समुद्री रास्ते बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इस कारण अमेरिका ने गुरुवार को भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट दी। बेसेंट ने कहा कि यह एक छोटा और अस्थायी कदम है। इससे रूसी सरकार को कोई बड़ा आर्थिक फायदा नहीं होगा क्योंकि यह सिर्फ समुद्र में फंसे तेल के लेनदेन से जुड़ा है। भारत अमेरिका का एक जरूरी पार्टनर है और अमेरिका को उम्मीद है कि भारत उससे तेल की खरीद बढ़ाएगा। ईरान की वजह से दुनिया की ऊर्जा सप्लाई पर जो दबाव बढ़ रहा है, यह फैसला उसे कम करेगा। भारत अपनी जरूरत का लगभग 40 फीसदी तेल मध्य पूर्व से लेता है। इसका एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। सूत्रों के मुताबिक, भारत दिन में दो बार अपनी ऊर्जा स्थिति की समीक्षा कर रहा है। देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बहुत मजबूत स्थिति में है। भारत के पास तेल का पर्याप्त भंडार है और इसकी हर दिन भरपाई की जा रही है। दुनिया में एलपीजी, एलएनजी और कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में ऊर्जा की कोई कमी नहीं है। सरकार नागरिकों के लिए सस्ता और टिकाऊ ईंधन सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दे रही है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई अलग-अलग देशों से तेल खरीदना शुरू किया है। साल 2022 में रूस से सिर्फ 0.2 फीसदी तेल आता था, जो अब काफी बढ़ गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, फरवरी में भारत ने अपनी जरूरत का लगभग 20 फीसदी तेल रूस से मंगाया। यह हर दिन लगभग 10.4 लाख बैरल था। अब भारत के पास कई स्रोतों से ऊर्जा सप्लाई के विकल्प मौजूद हैं। अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने बताया कि इस 30 दिन की छूट का मकसद दुनिया में तेल की कीमतों को काबू में रखना है। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया के पास समुद्र में टैंकरों में काफी रूसी तेल जमा है। अमेरिका चाहता है कि यह तेल जल्द से जल्द बाजार में आए।

बिटकॉइन माइनिंग के दम पर अमेरिका और इस्राइल पर मिसाइलें दाग रहा ईरान

तेहरान, एजेंसी। संयुक्त हमलों और सख्त प्रतिबंधों के बावजूद ईरान क्रिप्टो करेंसी से विदेशों से मशीनरी ईंधन और सैन्य उपकरणों

की खरीद कर रहा है और इस पर ट्रंप का नियंत्रण भी नहीं है। अमेरिका-इस्राइल के संयुक्त हमलों और पश्चिमी देशों के सख्त प्रतिबंधों के चलते ईरान की करेंसी तेजी से गिर रही है। इसके बावजूद ईरान विदेशों से मशीनरी, ईंधन और सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए भुगतान कर रहा है और इसके लिए ऐसे वित्तीय मार्ग का इस्तेमाल कर रहा है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी नियंत्रित नहीं कर सकते हैं। वह रास्ता क्रिप्टो करेंसी का है। इसी के दम पर ईरान अमेरिका-इस्राइल समेत अन्य देशों पर मिसाइलें दाग रहा है। इसका तरीका बेहद सरल है, बिटकॉइन माइनिंग करो और फिर उसी से भुगतान करो। क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग वह प्रक्रिया है, जिसके जरिये ब्लॉकचेन नेटवर्क पर लेनदेन की पुष्टि की जाती है और नए डिजिटल कॉइन फिर लेनदेन के काम में लाए जाते हैं। अमेरिका के बिटकॉइन रणनीतिकार जेक पर्सी का कहना है कि ईरान 1,300 डॉलर की लागत में एक बिटकॉइन माइन कर सकता है, जबकि बाजार कीमत 73,000 डॉलर है। यानी हर सिक्के पर ईरान को 71,700 डॉलर का फायदा होता है। इसका इस्तेमाल वैश्विक बैंकिंग प्रणाली के बाहर किया जा सकता है। इस रणनीति से ईरान पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की पूरी व्यवस्था में एक बड़ा लूपहोल तैयार हो गया है। आर्थिक प्रयोग बताया गया था जब तेहरान ने 2019 में बिटकॉइन माइनिंग को कानूनी रूप दिया था, तो अधिकारियों ने इसे आर्थिक प्रयोग करार दिया था। अब विश्लेषकों का कहना है कि यह प्रतिबंधों से बचने वाला भुगतान नेटवर्क बन गया है। माइनिंग से बनने वाला बिटकॉइन सीधे सरकार के नियंत्रण वाले डिजिटल वॉलेट में भेजा जा सकता है। उसी से लेनदेन किया जाता है। इससे तेहरान विदेशों से मशीनरी, तेल-गैस और सैन्य उपकरण खरीद सकता है।

बिटकॉइन माइनिंग प्रक्रिया में कोई स्विफ्ट (एसडब्ल्यूआईएफटी) हस्तांतरण नहीं है, कोई विदेशी बैंक मध्यस्थ का काम नहीं करता है और अमेरिकी ट्रेजरी का भी कोई नियंत्रण नहीं है। स्विफ्ट हस्तांतरण यानी सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन, दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बैंकों के बीच लेनदेन के लिए सबसे सुरक्षित, विश्वसनीय और मानक मैसेजिंग प्रणाली है।

ब्लॉकचेन विश्लेषण कंपनी चेनालिसिस के अनुसार, 2025 में ईरान की क्रिप्टो प्रणाली करीब 7.78 अरब डॉलर तक पहुंच गई। प्रतिबंधों के बावजूद यह तेजी से बढ़ रही है। 2025 के अंत में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर जुड़े खाते ईरान में आने वाले कुल क्रिप्टो फंड के आधे से ज्यादा हिस्से के लिए जिम्मेदार थे। एक ही साल में इन खातों में 3 अरब डॉलर से ज्यादा का लेनदेन हुआ। जेक पर्सी ने कहा कि यह आम लोगों का निवेश नहीं है। यह सरकार और सेना का वित्तीय ढांचा है।

दुबई में 1000 कंटेनर फंसे, रमजान से पहले निर्यातकों को करोड़ों की चपत

जंग की भेंट चढ़े महाराष्ट्र के अंगूर और अनार

नई दिल्ली,एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के कारण दुबई के जेबल अली बंदरगाह पर महाराष्ट्र के एग्री-उत्पादों से भरे करीब 1000 कंटेनर फंस गए हैं. अंगूर, अनार और प्याज जैसी जल्दी खराब होने वाली फसलें बंदरगाहों पर सड़ रही हैं. मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण महाराष्ट्र के किसानों और निर्यातकों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है. एग्री प्रोडक्ट्स से जुड़े 800 से 1000 कंटेनर दुबई के जेबल अली बंदरगाह पर फंसे हुए हैं. 28 फरवरी से ही इनका कामकाज ठप है. कंटेनर अलग-अलग देशों या क्षेत्रों में एक्सपोर्ट नहीं हो पा रहे हैं, जिस कारण लाखों-करोड़ों के सामान खराब हो रहे हैं. दुबई का जेबेल अली पोर्ट मिडिल ईस्?ट का एक प्रमुख बंदरगाह, जो खाड़ी क्षेत्र में कृषि उत्पादों के वितरण का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है. हालांकि, संघर्ष के कारण कामकाज पूरी तरह से ठप हो चुका है. इस कारण दुबई पहुंच चुके या भारत से आ रहे कई शिपमेंट बंदरगाह पर ही फंसे हुए हैं. फंसे हुए कंटेनरों में मुख्य रूप से केले, अंगूर, अनार, तरबूज, पत्तेदार सब्जियां और प्याज जैसे कम समय तक टिकने वाले कृषि उत्पाद हैं. यह महाराष्ट्र से निर्यात होने वाले प्रमुख उत्पाद भी हैं. कंटेनर फंस जाने के कारण ये खराब हो सकते हैं, जिसका मतलब है कि निर्यातकों को भारी नुकसान होगा. कंटेनर ऐसे समय में भी फंसे हैं जब खाड़ी देशों में रमजान के दौरान इन फलों, विशेष रूप से अंगूर और अनार की मांग चरम पर होती है. इसलिए कारोबार कम होने की भी आशंका है. वॉर के कारण कंटेनर तो फंसे ही हैं, जिससे मांग पूरी नहीं हो पा रही है. दूसरी ओर, खाड़ी देशों में फलों की मांग में परंपरागत रूप से वृद्धि देखी जाती है. वहीं किसान इस मौसमी बदलाव के अनुसार अपनी फसल की कटाई की योजना बनाते हैं. हालांकि, इस वर्ष संघर्ष के कारण निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है. बंदरगाहों पर मौजूद लगभग 5,000 से 6,000 टन अंगूर प्रभावित होने की आशंका है और खेतों में मौजूद निर्यात योग्य गुणवत्ता वाले 10,000 टन अंगूरों को अब स्थानीय स्तर पर घाटे में बेचना पड़ सकता है.

चांद की मिट्टी में उगाया चना

अमेरिका के टेक्सास राज्य के कॉलेज स्टेशन स्थित टेक्सास एएंडएम यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक अनोखे प्रयोग में चंद्रमा की मिट्टी जैसे मिश्रण में चने का पौधा उगाने में सफलता पाई. इस मिट्टी में लूनर सॉइल सिमुलेंट शामिल किया गया था, ताकि अंतरिक्ष में खेती की संभावनाओं को समझा जा सके. वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसे प्रयोग भविष्य में चंद्रमा या अन्य ग्रहों पर मानव मिशनों के दौरान भोजन उगाने की दिशा में अहम साबित हो सकते हैं.

कश्मीर में सूखे का खतरा: स्कॉस्ट-कश्मीर ने किसानों को जारी की अर्जेंट एडवाइजरी

श्रीनगर। शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ कश्मीर (स्कॉस्ट-कश्मीर) के विशेषज्ञों ने कश्मीर घाटी में लगातार बढ़ते तापमान और बारिश की कमी को देखते हुए किसानों के लिए शुक्रवार को एक अर्जेंट एडवाइजरी जारी की। किसानों से कहा गया है कि वे तुरंत मिट्टी की नमी बचाने और फसल सुरक्षा के उपाय अपनाएं। फलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण सलाह यह है कि पेड़ों के बेसिन में 4-6 इंच ऑर्गैनिक मल्च जैसे धान का भूसा या घास की कतरन डाली जाए। स्कॉस्ट विशेषज्ञों ने पॉलीथीन जैसी इनऑर्गैनिक मल्च के इस्तेमाल से बचने की चेतावनी दी है, क्योंकि यह मिट्टी का तापमान बढ़ा सकता है और जड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है। सिंचाई की कमी वाले खेतों में जब तक मिट्टी में पर्याप्त नमी न हो, फर्टिलाइजर का इस्तेमाल न करें। गेहूं, सरसों और मटर की फसलों में इंटरकल्चरल ऑपरेशन से खरपतवार हटाना प्राथमिकता हो। यूरिया का इस्तेमाल 2.5 किलोग्राम प्रति कनाल तक सीमित होना चाहिए और केवल तभी जब मिट्टी में नमी पर्याप्त हो। ट्यूलिप की खेती में सुबह जल्दी या देर शाम हल्की और बार-बार सिंचाई करने की सलाह दी गई है। टमाटर, मिर्च, शिमला मिर्च और पत्तागोभी के नर्सरी बैड को शैड नेट या पुआल से ढककर गर्मी के तनाव को कम किया जा सकता है। मछली पालन में एरेशन सिस्टम से घुले ऑक्सीजन को 6 एम.जी./लीटर से ऊपर बनाए रखना अनिवार्य है। पानी की गहराई 1.5-2 मीटर रखी जाए और कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्रों में फीडिंग रेट 1-1.5 फीसदी वजन तक कम करें। इस मौसम में मछलियों की सेहत के लिए विटामिन-सी और प्रोबायोटिक्स के साथ हाई-प्रोटीन फ्लोटिंग पेलेट्स का प्रयोग जरूरी है।

भारत VS न्यूजीलैंड फाइनल से पहले रेलवे का छक्का

नई दिल्ली-अहमदाबाद के लिए चलाई स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली,एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच T20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस महामुकाबले से पहले भारतीय रेलवे ने छक्का लगा दिया है। शनिवार को उसने एक ऐसा ऐलान किया जिससे क्रिकेट प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई। दरअसल, रेलवे ने एक स्पेशल ट्रेन अरेंज की है। इससे क्रिकेट फैंस नई दिल्ली से अहमदाबाद जा सकेंगे। नॉर्दर्न रेलवे के ऑफिशियल हैंडल ने इसका कन्फर्मेशन किया है। यह फैसला फ्लाइट टिकट की ज्यादा कीमतों और टिकटों की कमी को देखते हुए लिया गया है।

इसके पहले वेस्टर्न रेलवे ने भी कन्फर्म किया था कि

रविवार को होने वाले फाइनल के लिए एक स्पेशल ट्रेन का इंतजाम किया जाएगा। यह ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी। इससे क्रिकेट लवर्स को आसान और सस्ता सफर करने का ऑप्शन मिलेगा।

एनटरटेनमेंट की पूरी तैयारी

फाइनल में पहली बॉल फेंके जाने से पहले वेन्यू पर एक क्लोजिंग सेरेमनी भी होगी। प्यूर्टो रिकान ग्रैमी अवॉर्ड विनिंग सिंगर रिकी मार्टिन, डांडिया क्वीन फाल्गुनी पाठक और बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर सुखविंदर सिंह 1,32,000 दर्शकों की कैपेसिटी वाले स्टेडियम को एंटरटेन करने के लिए तैयार हैं। ICC ने टॉस से पहले एक म्यूजिकल एंटरटेनमेंट शो भी ऑर्गनाइज किया है। यह दूसरी बार होगा जब भारत अहमदाबाद में वर्ल्ड कप का फाइनल खेलेगा। 2023 में पिछला मौका दिल टूटने के साथ खत्म हुआ था, जब ऑस्ट्रेलिया ने भीड़ को चुप कराकर 50 ओवर का वर्ल्ड कप जीत लिया था।

नॉर्दर्न रेलवे ने क्या दी है जानकारी

रेलवे ने अपने कैप्शन में लिखा-

क्रिकेट प्रेमियों के लिए भारतीय रेल की खास सौगात! बढ़े फ्लाइट टिकट और टिकटों की अनुपलब्धता को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सहूलियत के लिए एक ट्रेन चलाई है। नई दिल्ली से साबरमती के लिए आज दिनांक 7 मार्च 2026 रात 11:45 बजे विशेष ट्रेन का ऐलान हुआ है। थर्ड ए्ट और सेकेंड ए्ट के कोच वाली इस 19 कोच की ट्रेन में बुक करें अपनी सीट!

क्यों है भारी भीड़ जुटने की उम्मीद

अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम ॠ20 वर्ल्ड कप के फाइनल के लिए खचाखच भरा होने की उम्मीद है। भारत ने इंग्लैंड को सात रन से हराकर लगातार दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

कंबोडिया की राजधानी में एक ऑटो शो में 10 जीएसी कारें दिखाई गईं, जो दर्शकों की भीड़ को आकर्षित कर रही हैं।

अमेरिका ने भारत को समुद्र में फंसे रूसी तेल की खरीद व शोधन की अनुमति दी

अल्पकालिक उपाय से तेल की कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रशासन ने घोषणा की कि वह भारत को दक्षिण एशिया के समुद्री क्षेत्रों में फंसे रूसी तेल को खरीदने, उसका शोधन करने और बाजार में जल्दी बेचने की अनुमति दे रहा है। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि यह कदम वैश्विक तेल कीमतों को नियंत्रित करने और आपूर्ति में अस्थायी दबाव को कम करने के लिए उठाया गया है। वर्तमान में दक्षिण एशिया के आसपास काफी मात्रा में रूसी तेल समुद्र में फंसा हुआ है, खासकर चीन के पास। क्रिस राइट ने कहा कि चीन अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ अनुकूल व्यवहार नहीं कर रहा, जिससे कई बैरल लंबे समय तक वहीं रुके हुए हैं। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य से आने वाली आपूर्ति में थोड़ी बाधा के कारण तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। अमेरिका ने भारत से कहा कि वह इस तेल को खरीदकर अपनी रिफाइनरी में लाए।

रूस ने भारत भेजे जाने वाले कच्चे तेल के आंकड़े गोपनीय रखने का फैसला

रूस भारत को एक सप्ताह में भेज सकता है लगभग 2.2 करोड़ बैरल तेल

नई दिल्ली। रूस ने भारत को निर्यात किए जाने वाले कच्चे तेल के आंकड़ों को सार्वजनिक न करने का निर्णय लिया है। क्रेमलिन के एक प्रवक्ता ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और बढ़ती भू-राजनीतिक संवेदनशीलता को देखते हुए यह कदम रूस के हित में जरूरी है। उनका कहना है कि कई देश और समूह रूस के ऊर्जा व्यापार पर नजर रखे हुए हैं और उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा है और ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता दिखाई दे रही है। हाल ही में अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत की रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट देने की बात कही थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत को होने वाली रूसी तेल आपूर्ति को लेकर कई रिपोर्टें सामने आईं। इनमें दावा किया गया कि रूस भारत को एक सप्ताह में लगभग 2.2 करोड़ बैरल तेल भेज सकता है, हालांकि रूस ने इसे औपचारिक रूप से पुष्टि नहीं की। रूसी सरकारी मीडिया में जारी मानचित्र ने भी ध्यान खींचा, जिसमें अरब सागर से बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ते तेल टैंकर दिखाए गए हैं, जो भारत के पूर्वी तट की रिफाइनरियों की ओर जा रहे हैं। रूस के उप प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर नोवाक ने संकेत दिया कि भारत और चीन जैसे बड़े ग्राहकों को तेल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए रूस तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस एशियाई देशों के साथ अपने ऊर्जा व्यापार को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ने के कारण भारत और रूस के बीच ऊर्जा सहयोग आने वाले समय में और गहरा हो सकता है।

घरेलू सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़े: ईरान जंग से रसोई गैस की किल्लत

सरकार का LPG प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की LPG गैस अब 913 रुपए की मिलेगी। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिलेगा। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई है। इससे पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू सिलेंडर के दामों में 50 रुपए का इजाफा किया था। यानी ये बढ़ोतरी करीब एक साल बाद की गई है। वहीं 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। सरकार ने गैस के दामों में बढ़ोत्तरी ऐसे वक्त की है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते देश में गैस किल्लत की आशंका जताई गई है।

सिलेंडर की किल्लत रोकने के लिए LPG उत्पादन बढ़ाने का आदेश

सरकार ने 5 मार्च को इमरजेंसी पावर इस्तेमाल करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया था। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने यह आदेश जारी किया।

सप्लाई संकट की 2 वजह

1. स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का लगभग बंद होना

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती ऑफ होर्मुज का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20प्रतिशत हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50प्रतिशत कच्चा तेल और 54प्रतिशत एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है। ईरान खुद इसी रूट से एक्सपोर्ट करता है।

2. प्लांट पर ड्रोन हमले से LNG का प्रोडक्शन रुका

पिछले हफ्ते अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर स्ट्राइक की थी। इसके जवाब में ईरान ने UAE, कतर, कुवैत और सऊदी जैसे देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और पोर्ट्स को निशाना बनाया है।

ईरान के ड्रोन हमले के बाद भारत को गैस सप्लाई करने वाले सबसे बड़े देश कतर ने अपने LNG प्लांट का प्रोडक्शन रोक दिया है। इससे भारत में गैस की सप्लाई घट गई है। भारत अपनी जरूरत की 40प्रतिशत LNG (करीब 2.7 करोड़ टन सालाना) कतर से ही आयात करता है। CNG कंपनियों ने सरकार को लिखी चिट्ठी, संकट की चेतावनी

शेरेटन ग्रैंड पैलेस में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष वीमेन डे ब्रंच का आयोजन

इंदौर। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर द्वारा 8 मार्च को अपने प्रसिद्ध रेस्तरां एस कैफे में एक विशेष वीमेन डे ब्रंच का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम महिलाओं की उपलब्धियों, उनके संघर्ष और समाज में उनके अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस खास ब्रंच में मेहमानों के लिए भारतीय और अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों की विस्तृत श्रृंखला के साथ-साथ लाइव काउंटर और इंटरएक्टिव फूड स्टेशन भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

आयोजन को यादगार बनाने के लिए लाइव सोलो सिंगर की प्रस्तुति और बच्चों के लिए विशेष गतिविधियों की व्यवस्था की गई है। साथ ही, कार्यक्रम में शामिल होने वाली सभी महिला मेहमानों के लिए प्रबंधन द्वारा विशेष सरप्राइज भी तैयार किए गए हैं। शेरेटन ग्रैंड पैलेस इंदौर के डायरेक्टर ऑफ एफएंडबी, गुरप्रीत सिंह सोढ़ी ने बताया कि महिलाएं समाज की असली ताकत और प्रेरणा हैं, और इस ब्रंच के माध्यम से बैंक उन्हें अपने परिवार व दोस्तों के साथ एक सुकून भरा और खुशहाल समय बिताने का अवसर प्रदान करना चाहता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं, बल्कि खुशियां साझा करने का एक साझा मंच भी प्रदान करते हैं।

पेट्रोल-डीजल के नहीं बढ़ेंगे दाम, ईरान युद्ध के बीच आई खुशखबरी

कुकिंग गैस पर सस्पेंस

नई दिल्ली,एजेंसी

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अभी नहीं बढ़ेंगी। फिर भले ही वेस्ट एशिया में तनाव का असर ग्लोबल एनर्जी मार्केट पर पड़ रहा है। सरकार ने दोबारा यह बात साफ कर दी है। एशियन न्यूज इंटरनेशनल (ANI) ने सरकारी सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। इसके मुताबिक, भारत की एनर्जी सप्लाई की स्थिति सुधर रही है। होर्मुज स्ट्रेट से कार्गो मूवमेंट फिर से शुरू हो गया है।

सरकारी सूत्रों ने एएनआई को बताया कि जैसे-जैसे हालात स्थिर हो रहे हैं, भारत के एनर्जी स्टॉक की स्थिति मजबूत हो रही है। इससे भरोसा बढ़ा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं

सरकारी सूत्रों ने फिर से पुष्टि की कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बढ़ाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि कीमतों में स्थिरता पर पहले दिया गया आश्वासन सिर्फ ट्रांसपोर्ट फ्यूल के बारे में था। कुकिंग गैस को लेकर नहीं। हाल ही में LPG कीमतों में बढ़ोतरी पर कांग्रेस की आलोचना का जवाब देते हुए सरकारी सूत्रों ने कहा कि आरोप गलत हैं। सूत्रों ने एएनआई को बताया, उनका आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद है। पिछला बयान सिर्फ पेट्रोल और डीजल के बारे में था। यह ख्क्ष के बारे में नहीं था। आज हम फिर से भरोसा दिलाते हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी।

भारत ने बदली स्ट्रैटेजी

अधिकारियों ने यह भी बताया कि भारत होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते पर निर्भरता कम करने के लिए अपने क्रूड ऑयल सोर्सिंग को डायवर्सिफाई कर रहा है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार,

भारत ने होर्मुज स्ट्रेट के बाहर के सोर्स से क्रूड इंपोर्ट लगभग 10प्रतिशत बढ़ा दिया है। पहले, भारत का लगभग 60त्न क्रूड इंपोर्ट होर्मुज स्ट्रेट के अलावा दूसरे रास्तों से आता था। लेकिन, अब यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 70प्रतिशत हो गया है। इस बदलाव का मकसद स्ट्रेटेजिक रूप से सेंसिटिव वॉटरवे में रुकावट आने की स्थिति में सप्लाई सिक्योरिटी को मजबूत करना है।

क्या है कार्गो मूवमेंट पर बड़ी खुशखबरी

सरकारी सूत्रों ने बताया है कि होर्मुज स्ट्रेट के पास कार्गो मूवमेंट फिर से शुरू हो गया है। ईरान के पड़ोसी देशों को तब तक टारगेट नहीं करने का वादा किया है जब तक उनके इलाके से हमला न हो। इस डेवलपमेंट से जरूरी समुद्री रास्ते से गुजरने वाले ग्लोबल एनर्जी शिपमेंट में बड़े पैमाने पर रुकावट की तुरंत चिंता कम हो गई है।

एलपीजी कीमतों में कितनी हुई है बढ़ोतरी

इस बीच घरेलू कुकिंग गैस सिलेंडर की कीमतों में पहले ही बढ़ोतरी की जा चुकी है। 7 मार्च से पूरे देश में 14.2 किलो के कुकिंग गैस सिलेंडर की कीमत 60 रुपये बढ़ा दी गई है। बदलाव के बाद बड़े शहरों में कीमतें इस तरह हैं

दिल्ली: 853 रुपये 913 रुपये
मुंबइ: 852.5 रुपये 912.5 रुपये
कोलकाता: 879 रुपये Rs 930 रुपये
चेन्नई: 868.5 रुपये Rs 928.5 रुपये

कतर से एलपीजी पर क्या आश्वासन मिला है

सरकारी सूत्रों ने यह भी कहा कि कतर ने भारत को भरोसा दिलाया है कि शिपिंग रूट पूरी तरह से खुलने के बाद एलपीजी और एलएनजी सप्लाई फिर से शुरू हो जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, भारत के पास अभी LNG का सरप्लस स्टॉक है। कई देशों ने भी अतिरिक्त LNG सप्लाई की पेशकश की है।

कुकिंग गैस पर क्यों है सस्पेंस

एक्सपर्ट्स ने बताया है कि कुकिंग गैस की स्थिति क्रूड ऑयल की तुलना में ज्यादा कमजोर हो सकती है। भारत एलपीजी इंपोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर है। वह इसका लिमिटेड रिजर्व रखता है।

एलपीजी को लेकर भारत की टेंशन क्या है

-चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी इंपोर्टर है।

-इन शिपमेंट का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है।

-कच्चे तेल के रिजर्व के उलट एलपीजी स्टॉक आमतौर पर सिर्फ दो से तीन हफ्ते की डिमांड को ही कवर कर पाते हैं।

-ये लगभग 30-35 दिनों की खपत को कवर कर सकते हैं।

अभी एलपीजी को लेकर स्थिति कैसी है

हालांकि, सरकारी सूत्रों ने एएनआई को बताया कि LPG स्टॉक को लेकर स्थिति में सुधार हुआ है। सूत्रों ने कहा, हमारी रिव्यू मीटिंग में हमें लग रहा है कि हमारे एनर्जी स्टॉक बेहतर हो रहे हैं। एक समय पर हम अपने एलपीजी स्टॉक को लेकर चिंतित थे। लेकिन, अब हम बेहतर स्थिति में हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बेमेतरा में हर घर पानी बचाओ अभियान की अनोखी पहल

महिलाओं ने संभाली जल संरक्षण की कमान, जनसहभागिता से बने 8,082 रिचार्ज पिट, 56 हजार से अधिक परिवारों ने घर-घर सोक पिट निर्माण का लिया संकल्प

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती हेमलता पदमाकर के मार्गदर्शन मे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बेमेतरा जिले में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ÷हर घर पानी बचाओ÷ अभियान की शुरुआत की गई। जिले में बढ़ते जल संकट और भूजल स्तर में लगातार हो रही गिरावट को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा यह विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत घर-घर में रिचार्ज पिट एवं वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाकर वर्षा जल और घरेलू उपयोग के बाद व्यर्थ बहने वाले पानी को पुनः जमीन में पहुंचाने की पहल की जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इस अभियान में महिलाओं की बड़ी और प्रेरणादायक भागीदारी देखने को मिली।

महिलाओं ने दिखाई मिसाल, जल संरक्षण के लिए खुद संभाली जिम्मेदारी

महिला दिवस के अवसर पर जिलेभर के गांवों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, सरपंच-पंचों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक इस अभियान में भाग लिया।महिलाओं ने अपने-अपने घरों में रिचार्ज पिट का निर्माण कर जल संरक्षण का संदेश दिया। कई गांवों में महिलाओं ने स्वयं श्रमदान करते हुए सोक पिट और रिचार्ज पिट के निर्माण कार्य की शुरुआत की। महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की यह सक्रिय भागीदारी न केवल जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी बनकर सामने आई है कि जब महिलाएं किसी अभियान से जुड़ती हैं तो वह जनआंदोलन का रूप ले लेता है।

पानी की हर बूंद कीमती है, आज बचाएंगे पानी - तभी सुरक्षित होगा कल

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बेमेतरा जिले में महिलाओं द्वारा जल संरक्षण की दिशा में उठाया गया यह कदम निश्चित ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण और स्थायी समाधान साबित होगा।

एक ही दिन में 8,082 रिचार्ज पिट का निर्माण, 56,080 परिवारों ने लिया संकल्प

जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में जनसहभागिता से कुल 8,082 रिचार्ज पिट / वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण किया गया। इसके साथ ही लगभग 56,080 घरों की महिलाओं और जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वयं संकल्प लेकर अपने-अपने घरों में सोक पिट का लेआउट तैयार कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया, जिसे मार्च माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह पहल दर्शाती है कि बेमेतरा जिले में जल संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता तेजी से बढ़ रही है और नागरिक स्वयं आगे आकर इस अभियान को सफल बनाने में योगदान दे रहे हैं।

मई तक जिले के सभी 1.40 लाख घरों में रिचार्ज पिट बनाने का लक्ष्य

जिला प्रशासन ने बताया कि बेमेतरा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 1,40,766 घर हैं। प्रशासन द्वारा जनसहभागिता के माध्यम से मई 2026 तक सभी घरों में रिचार्ज पिट बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यदि प्रत्येक घर में रिचार्ज पिट बनाकर वर्षा जल और घरेलू उपयोग के बाद व्यर्थ जाने वाले पानी को जमीन में पहुंचाया जाए, तो इससे भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा और भविष्य में जल संकट की स्थिति से काफी हद तक राहत मिल सकेगी। इस पहल के माध्यम से जिला प्रशासन जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है।

जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने की पहल की सराहना

अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने कहा कि जल संकट से निपटने के लिए ऐसे प्रयास बेहद आवश्यक हैं और हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह पानी की एक-एक बूंद को बचाने के लिए आगे आए। इस अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि जल संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने आयुष्मान कार्ड का शत- प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए..

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा शनिवार को दानसरा ग्राम में आयोजित सेक्टर बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की। विशेष रूप से आयुष्मान कार्ड शिविर पर विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होंने शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने हेतु कार्ययोजना तैयार कर तत्काल क्रियान्वयन के कड़े निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन लक्ष्यों की पूर्णता पर जोर देते हुए अधिकारियों को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को कार्ड उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, जिसके लिए समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। इस बैठक में डिप्टी कलेक्टर सह ओआईसी (स्वास्थ्य विभाग) शिक्षा शर्मा , खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर एल सिदार, जिला समन्वयक (आयुष्मान भारत) रोशन सचदेव, सेक्टर प्रभारी एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।शैक्षिक संसाधन।

सिलेंडर के दाम बढ़ाने को लेकर कांग्रेस ने किया प्रधानमंत्री का पुतला दहन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार बेमेतरा जिला मुख्यालय में घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में 60 रुपए की बढ़ोतरी तथा व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की मूल्य में 115 रुपए की बढ़ोतरी किए जाने को लेकर साथ ही साथ भाजपा नेता द्वारा अपने फार्म हाउस में अफीम की खेती किए जाने की विरोध में कांग्रेस ने आज प्रधानमंत्री का पुतला फूंका उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एव बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि भाजपा शासन आज पूरी तरह से देश को बर्बाद करने में जुटा हुआ है ऐप्सटीन फाइल में नाम शामिल होने विदेशी ताकतों से ब्लैकमेल होते हुए प्रधानमंत्री ने भारत के हितों को गिरवी रख दिया है आज ईरान युद्ध के चलते देश की भाजपा सरकार ने भारत के लिए कहीं कोई आपात स्थिति की तैयारी करके नहीं रखी है युद्ध के शुरुआती दिनों में ही सरकार को गैस सिलेंडरों के दामों में इतनी बढ़ोतरी करनी पड़ गई है अभी पता नहीं कितने दिन युद्ध चलेगा और कितने बार यह भाजपा सरकार गैस सिलेंडरों के और पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्य में वृद्धि करेगी पहले ही यह सरकार इतनी वृद्धि कर चुकी है कि आम आदमी की कमर टूटी पड़ी है उसमें इस तरह से और बढ़ोतरी किया जाना कहीं ना कहीं लोगों को दिवालिया बनाने वाला निर्णय है गरीब और मध्यम वर्ग की परिवार इस बढ़ोतरी को वहन नहीं कर पाएंगे इसलिए केंद्र सरकार को चाहिए कि वह बिना विलंब किए गैस सिलेंडरों के दाम में की गई वृद्धि को तुरंत वापस ले साथ ही साथ जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार पूरे प्रदेश को नशे की लत में झोक देना चाहती है यही कारण है कि आज भाजपा के लोग खुलेआम कानून का उल्लंघन करते हुए अपने फार्म हाउस में अफीम की खेती कर रहे हैं और भाजपा के मंत्री विधायक उन्हें संरक्षण देने में लगे हुए हैं इस कारण से ही दुर्ग के समीप फार्म हाउस में पकड़े गए भाजपा नेता को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है जिसका कांग्रेस विरोध करती है ऐसे अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करना चाहिए भाजपा सरकार के द्वारा जिस तरीके से संरक्षण दिया जा रहा है प्रदेश को नशे की लत में डुबोया जा रहा है भाजपा सरकार पूरे प्रदेश के नौजवानों को नशे में डुबो देना चाहती है जिससे जवान रोजगार और महंगाई में बढ़ोतरी की बात ही ना कर सके इस अवसर पर मंगत साहू रवि परगनिहा प्राणीश चौबे टी आर साहू सुरेश दुबे मिथिलेश वर्मा रश्मि मिश्रा ईश्वर वर्मा सुमित राजपूत रोशन सिंहा गणेश राजपूत अश्विनी अनंत रीता पांडे ललित विश्वकर्मा सुमन गोस्वामी राजू साहू शशिप्रभा गायकवाड बाल कुमारी ध्रुव सुशीला जोशी रूबी सलूजा शकुंतला साहू बहल वर्मा मोहित वर्मा रवि रजक मनोज शर्मा अजय राज सेन भावसिंह राज प्रकाश ठाकुर तोकेश्वर साहू रग्घू तिवारी राम ठाकुर नंदू सलूजावाहिद रवानी अनिल दुबे हेमिन यादव नोहर देवांगन चितरेन वर्मा चंद्र प्रकाश शीतलानी संजय वर्मा याशिफ खान कौनैनअली राजू रजक कोमल पुरी गोस्वामी रेवेंद्र देवांगन निलेश वैष्णव कमल साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को दी बधाई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस संगठन में महत्वपूर्ण फेरबदल करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने प्रदेश संगठन की सहमति से शनिवार को नई जिला कार्यकारणी की घोषणा करते हुए रवि परगनिहा को कोषाध्यक्ष प्रणीश चौबे को उपाध्यक्ष सहित महामंत्री, सचिव एवं कार्यकारणी सदस्य की कुल 61 सदस्यीय की नियुक्ति पर कहा की बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों बहुत बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं पूर्ण विश्वास है कि आपके अनुभवों और ऊर्जा से संगठन को नई मज़बूती मिलेगी और पार्टी ज़मीनी स्तर पर और सशक्त होगी। नई टीम नई पारी ?पूरी निष्ठा और लगन से आगे बढ़ें, मेरी शुभकामनायें है सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों ने कार्यालय आकर भेंट किया जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेरस मेला एवं मानस बसंत उत्सव की तैयारी तेज, बैठक में पदाधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

थानखम्हरिया /मूक पत्रिका

मां बंजारी सेवा समिति बरगा एवं मां भद्रकाली तहसील मानस संघ साजा के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17 मार्च को बंजारी धाम बरगा में भव्य तेरस मेला एवं मानस बसंत उत्सव (होली मिलन) का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन की तैयारियों को लेकर 08 मार्च को मां बंजारी मंदिर प्रांगण बरगा में मां भद्रकाली तहसील मानस संघ साजा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं आयोजन को भव्य और सफल बनाने के लिए विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपते हुए सभी से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से कन्हैयालाल पाल को शक्ति केंद्र बरगा का अध्यक्ष तथा विनोद साहू को शक्ति केंद्र खाती का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मां भद्रकाली तहसील मानस संघ साजा के अध्यक्ष श्रवण कुमार साहू ने दोनों नवनियुक्त अध्यक्षों को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर शुभकामनाएं दीं तथा संगठन विस्तार के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। दोनो नवनियुक्त अध्यक्षों को मां भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा के अध्यक्ष देवलाल सिन्हा सहित जिला पदाधिकारीगण राजकुमार ताम्रकार छगन लाल साहू, नरेन्द्र जायसवाल, डॉ ओमकार चन्द्राकर, विष्णु साहू, उत्तम साहू, बिहारी लाल यादव शालिक राम साहू महेश कुमार साहू, लोकेन्द्र सेन, ललित साहू, विश्वनाथ साहू ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर खेलन सिंह राजपूत, आत्माराम पटेल, रवि दास मानिकपुरी, प्रेमलाल पाल, हरेन्द्र साहू, रूपेश कुमार साहू सहित संघ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस ने 25 वारंटीयो को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बलरामपुर /मूक पत्रिका

लंबे समय से फरार चल रहे 25 वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गए वारंटीयो में थाना रामानुजगंज से 08,थाना कोतवाली बलरामपुर से 05,थाना शंकरगढ़ से 05,थाना कुसमी से 02,थाना पस्ता से 02,थाना रामचन्द्रपुर से 01 तथा चौकी विजयनगर से 02 इस प्रकार कुल 25 वारंटियों को गिरफ्तार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से उन्हें जेल दाखिल कर दिया गया है गिरफ्तार किए गए वारंटीयो में 23 पुरुष एवं 02 महिलाएं शामिल है।

रामानुजगंज थाने की बड़ी उपलब्धि

निरीक्षक अजय साहू ने बताया कि कई वर्षों से फरार चल रहे वारंटी को कड़ी मस्कत के बाद गिरफ्तार किया गया है जिसमें शांति पति ललन गुप्ता 45 वर्ष निवासी कनकपुर,रमेश प्रसाद गुप्ता पिता स्व रामवृक्ष साव 48 वर्ष निवासी वार्ड 13, दीपक पासवान पिता रमेश पासवान 25 वर्ष निवासी वार्ड 15,बनारसी राम पिता बैजनाथ राम 35 वर्ष निवासी वार्ड 14,धर्मेंद्र पूरी पिता मधु पूरी उम्र 19 वर्ष निवासी वार्ड 03,बिरझु भुइया पिता सोमारू भुइया 62 वर्ष निवासी पुरानडीह,नरोत्तम साहा पिता भोला साहा 29 वर्ष निवासी केरवाशीला,विजय राम पिता द्वारिका राम 55 वर्ष निवासी आरागाही शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 'लखपति दीदी संवाद' कार्यक्रम में

बेमेतरा जिले की महिलाओं का राज्य स्तर पर सम्मान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर स्थित बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित ÷लखपति दीदी संवाद÷ कार्यक्रम में बिहान योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले कैडरों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा विभिन्न जिलों की महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम में जिला बेमेतरा की महिलाओं ने भी अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली से राज्य स्तर पर जिले का गौरव बढ़ाया। बिहान योजना के अंतर्गत कार्यरत बीमा सखी श्रीमती अनीता साहू, संकुल मूर्ता (जिला बेमेतरा) को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत सर्वाधिक क्लेम सेटलमेंट कराने तथा हितग्राहियों को बीमा योजनाओं का लाभ दिलाने में उत्कृष्ट कार्य के लिए ÷उत्कृष्ट बीमा सखी÷ के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार राजकुड़ी संकुल की श्रीमती कैलाश चेलक को अपने क्षेत्र में स्व सहायता समूहों के सुव्यवस्थित पुस्तक संधारण, लेखा प्रबंधन तथा समूहों को सशक्त बनाने में सराहनीय कार्य करने के लिए ÷उत्कृष्ट आर.बी.के.के.÷ का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस सम्मान से बेमेतरा जिले की महिला स्व सहायता समूहों में कार्य कर रही महिलाओं के मनोबल में वृद्धि हुई है। दोनों महिलाओं ने बिहान योजना के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, वित्तीय साक्षरता बढ़ाने और शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिले की इन दोनों महिलाओं की उपलब्धि से बेमेतरा जिले का नाम राज्य स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। उनके इस उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला प्रशासन, बिहान मिशन तथा स्व सहायता समूहों की महिलाओं ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।